राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 09 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-200 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

● आर्थर रोड जेल, बैरक नंबर...

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की तैयारी हो गई तेज !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण अब चर्चा का बड़ा विषय बन चुका है। 66 साल के इस कारोबारी पर पंजाब नेशनल बैंक में 12,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। बेल्जियम के एंटवर्प में उनकी गिरफ्तारी के बाद भारत ने प्रत्यर्पण के लिए जोरदार कोशिशें शुरू की हैं। भारत ने बेल्जियम को भरोसा दिलाया है कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में ह्यूमन राइट्स के मुताबिक रखा जाएगा। लेकिन सवाल ये है कि क्या वाकई चोकसी को वहां वो सुविधाएं मिलेंगी, जो भारत दावा कर रहा है। भारत ने बेल्जियम को एक पत्र भेजकर बताया कि चोकसी को आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस जेल में उन्हें साफ-सुथरी चटाई, तकिया, चादर और कंबल दिया जाएगा। अगर मेडिकल जरूरत पड़ी तो लकड़ी या लोहे का बिस्तर भी मुहैया कराया जाएगा। उनके वकीलों का कहना है कि चोकसी को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी है, इसलिए उनकी सेहत का खास ख्याल रखना होगा। भारत का दावा है कि चोकसी को जेल में साफ पानी, 24 घंटे मेडिकल सुविधा और अच्छा खाना मिलेगा। जेल की साफ-सफाई रोज होगी और बैरक में रोशनी व हवा का पूरा इंतजाम होगा। उन्हें हर दिन एक घंटे से ज्यादा वक्त बाहर टहलने, व्यायाम करने और मनोरंजन के लिए दिया जाएगा। मुंबई का मौसम साल भर सामान्य रहता है, इसलिए न तो हीटिंग की जरूरत है और न ही एयर कंडीशनिंग की दरकार है। जेल में खाने की बात करें तो चोकसी को दिन में तीन बार भोजन मिलेगा। अगर मेडिकल वजह से खास डाइट की जरूरत पड़ी तो वो भी दी जाएगी। जेल में एक कैंटीन है, जहां से फल और हल्के-फुल्के नाश्ते खरीदे जा सकते हैं। इसके अलावा, योग, मेडिटेशन, लाइब्रेरी और बोर्ड गेम्स जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं।

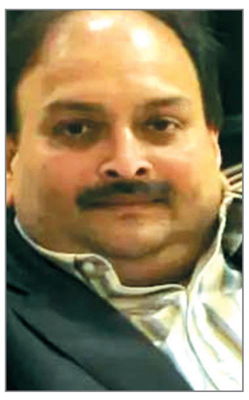

एसआईआर में अब 'आधार' पर ही चल जाएगा काम

● सुप्रीम आदेश, इसे 12वां दस्तावेज माने चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चुनाव आयोग की ओर से चल रहे एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण में अब आधार को भी मान्यता रहेगी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में आदेश दिया और चुनाव आयोग से कहा कि 11 अन्य दस्तावेजों की तरह आधार को भी मान्यता दी जाए। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग किसी की ओर से दिए गए आधार की वैधता की जांच कर सकता है। इस तरह अब वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए आधार को भी मान्यता मिल गई है, जिसकी डिमांड लंबे समय से की जा रही थी। बेंच ने स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज के तौर पर स्वीकार किया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को पहचान और पते के प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया जाए। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के पास यह अधिकार रहेगा कि वह आधार कार्ड की प्रमाणिकता के बारे में जांच कर ले। इस तरह आधार कार्ड को जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, राशन कार्ड समेत अन्य 11 दस्तावेजों की तरह ही मान्यता मिलेगी। बेंच ने चुनाव आयोग से कहा है कि वह आज ही आधार कार्ड को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दे ताकि स्पष्ट संदेश दिया जा सके। बेंच ने यह भी कहा कि आधार कार्ड सिर्फ पहचान का ही प्रमाण है। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील ने यह भी कहा कि स्क्रुकके दौरान ऐसे लोग भी पाए गए हैं, जो यहां के वोटर बने हुए थे। लेकिन वास्तव में वे घुसपैठिए हैं और अवैध तौर पर भारत में प्रवेश कर के आए हैं। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह एक समस्या है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि आधार कार्ड का वेरिफिकेशन चुनाव आयोग की ओर से किया जा सकता है। बता दें कि यही वजह है कि चुनाव आयोग कहता रहा है कि आधार कार्ड को पता या फिर नागरिकता का आधार नहीं माना जा सकता। गौरतलब है कि चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया में वोटर्स को पूरा वक्त दिया जाएगा और नामांकन से एक दिन पहले तक यह जारी रहेगा।

'सुप्रीम' राय, नेता को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए

● तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ याचिका खारिज ● कहा था-भाजपा 400 सीट जीती तो आरक्षण खत्म होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- नेताओं को मोटी चमड़ी का होना चाहिए। राजनीतिक लड़ाइयों के लिए सुप्रीम कोर्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने ये टिप्पणी भाजपा नेता द्वारा तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाई गई याचिका की सुनवाई के दौरान कही। 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सीएम रेड्डी ने कहा था- अगर बीजेपी 400 सीट जीती तो आरक्षण समाप्त कर देगी। भाजपा नेता का दावा किया था कि इससे पार्टी को नुकसान हुआ और उसने रेड्डी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की गई थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने भी याचिका खारिज कर दी। हैदराबाद ट्रायल कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत मानहानि के अपराध और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत केस बनता है। अधिनियम की धारा 125 चुनाव से जुड़े वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित थी। रेड्डी ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसमें दावा किया गया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों से उनके खिलाफ केस नहीं बनाते। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता। भाजपा नेताओं ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बिहारियों के डीएनए को मजदूर बताकर नीचा दिखाने का आरोप लगाया था। इसके बाद उनके बिहार आने का भी विरोध किया था। इसके साथ ही उनसे माफी मांगने की मांग की थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग आज

● एनडीए कैंडीडेट के लिए राह हो गई और आसान ● बीजेडी ने किया किनारा,गठबंधन भी हुआ मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, ये कल 9 सितंबर यानी मंगलवार को वोटिंग के बाद स्पष्ट हो जाएगा। उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले सियासी गहमागहमी तेज है। इस बीच नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल ने वोटिंग से एक दिन पहले अपने पत्ते खोल दिए। बीजेडी का कहना है कि वो उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल नहीं होगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि न तो वो केंद्र की सत्ताधारी एनडीए के उम्मीदवार को सपोर्ट करेंगे और न ही विपक्षी इंडिया गठबंधन के कैंडीडेट को।

बीजेडी के इस दांव से एनडीए कैंडीडेट की राह और आसान हो गई। नंबर गेम में सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवार आगे माने जा रहे हैं। बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल ने मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का फैसला किया है। बीजू जनता दल, एनडीए और इंडिया दोनों ही गठबंधनों से समान दूरी बनाए रखेगा। हमारा ध्यान ओडिशा पर है। हम ओडिशा के साढ़े चार करोड़ लोगों के विकास और कल्याण पर अपना फोकस रखना चाहते हैं। ये फैसला ऐसे समय में हुआ जब बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक दिल्ली में ही मौजूद हैं। ओडिशा से कुल 31 सांसद (लोकसभा में 21 और राज्यसभा में 10) हैं। इनमें बीजेपी के सबसे अधिक 23 सदस्य हैं।

नेपाल में जमकर बवाल, संसद में घुसे प्रदर्शनकारी

● 18 लोगों की मौत, 200 से ज्यादा घायल, सेना की फायरिंग ● सोशल मीडिया बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ युवा कर रहे विरोध

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 18 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी के मुताबिक, नेपाल पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। 100 से ज्यादा युवा घायल भी हुए। इस प्रदर्शन की अगुआई जेन-जेड यानी 18 से 30 साल के युवा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ 12 हजार से ज्यादा युवा प्रदर्शनकारी सोमवार सुबह संसद भवन परिसर में घुस गए थे, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वाले को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब

समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितंबर

को खत्म हो गई। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार पर दमन के आरोप लगाए हैं। एक प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम शांतिपूर्ण विरोध करना चाहते थे, लेकिन आगे बढ़ने पर देखा कि पुलिस हमला कर रही थी और लोगों पर गोली चला रही थी। सत्ता में बैठे लोग अपनी ताकत हम पर नहीं थोप सकते। भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन दबाए जा रहे हैं, जो बोलने की आजादी और अभिव्यक्ति के अधिकार के खिलाफ है। भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन जी के विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक बलुवाटार स्थित प्रधानमंत्री आवास पर हुई। सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली हैं। इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचे 6 लोगों की मौत हो गई है। ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टर दीपेंद्र पांडे ने बताया कि वहां लाए गए छह लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा कि दस मरीजों की हालत बेहद नाजुक है, जिन्हें सिर और सीने में गोली लगी है।

कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल

● शोभा यात्रा में खूब चले पत्थर, 8 घायल, 21 गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल की खबर है। गणपति विसर्जन के लिए निकाली जा रही शोभायात्रा में दो समुदाय के लोग मामूली सी बात हुए विवाद के बाद आपस में भिड़ गए। इसके बाद शोभायात्रा पर कथित तौर पर मस्जिद से पथराव किए जाने के आरोप हैं।

इस पथराव में आठ लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा की इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दिया है। पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने भारत-ईयू आए साथ !

● एफटीए समेत कई मुद्दों पर बन गया है खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब रफ्तार पकड़ रही है। नई दिल्ली में 8 सितंबर से शुरू होने वाली 13वीं दौर की वार्ता में दोनों पक्ष गंभीर मसलों पर ध्यान देंगे। गैर-टैरिफ रुकावटें, बाजार में पहुंच, और सरकारी खरीद जैसे मुद्दे इस बार चर्चा का केंद्र होंगे।

दोनों पक्षों का मकसद इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना है, ताकि वैश्विक व्यापार में नई मिसाल कायम हो सके। यह समझौता न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों के बीच रणनीतिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा। इसके साथ ही, भारत और ईयू 2026 की पहली तिमाही में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं। इस सम्मेलन में कई अहम फैसले और घोषणाएं होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच नई दिल्ली और ब्रसेल्स में कई मुलाकातें तय हैं, जो इस समझौते को और मजबूती देंगी। खास तौर पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई उथल-पुथल ने इस समझौते को और अहम बना दिया है। 13वीं और 14वीं दौर की बातचीत में तकनीकी रुकावटें, सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी मसले, बाज़ार में पहुंच, मूल नियम, और सरकारी ख़रीद जैसे अहम मुद्दों पर ज़ोर होगा। अब तक 23 में से 11 अध्यायों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार, और धोखाधड़ी-रोधी उपाय शामिल हैं। पूंजी आवाजाही पर एक और अध्याय जल्द पूरा होने वाला है। दोनों पक्ष जुलाई में आदान-प्रदान किए गए सेवाओं और निवेश के प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं, ताकि सही संतुलन बनाया जा सके।

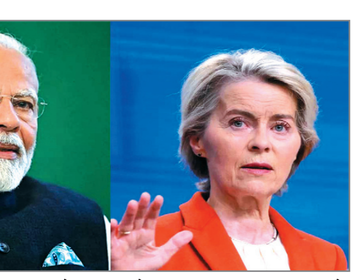

अब सीमा के इस पार परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर

● सीमा पर एंटी ड्रोन एडवांस रडार सिस्टम लगाएगी सेना ● ड्रोन हमलों की तैयारी,100 टारगेट होंगे एक साथ ट्रैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने रात के अंधेरे में भारत पर कई ड्रोन हमले किए थे। इनमें से ज्यादातर ड्रोनों को सेना ने हवा में ही मार गिराया था, लेकिन कुछ ड्रोन सीमा पार कर रिहायशी इलाकों तक पहुंचने में कामयाब रहे थे।

अब सेना ने हर तरह से दुश्मन को नेस्तनाबूद करने का फैसला किया है। भारतीय सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर एडवांस रडार सिस्टम स्थापित करने की तैयारी में है। इस रडार का सर्विलांस नेटवर्क बेहद मजबूत होगा, जो मुश्किल से मुश्किल हवाई हमलों को भी ढूंढ़ कर ट्रैक करेगा और फिर उन्हें हवा में ही मार गिराएगा। नए रडार सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह रडार क्रॉस सेक्शन की मदद से टारगेट को ढूंढ़ने से लेकर ट्रैक करने और उसे खत्म करने का काम करेगा। इस एडवांस रडार सिस्टम को सेना के अकाशतीर एअर डिफेंस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। सेना ने ड्रोन को लेकर सप्लायर्स से जानकारी मांगी है। इनमें 45 लो लेवल लाइट वेट रडार (एन्हांस्ड) और 48 एअर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार-ड्रोन डिटेक्टर्स शामिल हैं। इसके अलावा 10 लो लेवल लाइट वेट रडार (इंप्रूव्ड) पर भी सेना ने प्रस्ताव मांगा है।

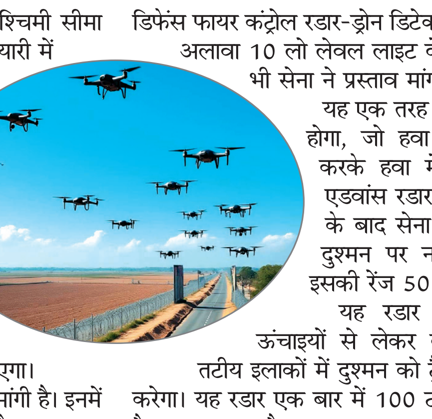

यह एक तरह का सर्विलांस सिस्टम होगा, जो हवा में टारगेट को ट्रैक करके हवा में ही नष्ट कर देगा। एडवांस रडार सिस्टम स्थापित होने के बाद सेना मुश्किल क्षेत्रों में भी दुश्मन पर नजर रख सकती है। इसकी रेंज 50 किलोमीटर होगी।

यह रडार सिस्टम पहाड़ों की ऊंचाइयों से लेकर वीरान रेगिस्तान और तटीय इलाकों में दुश्मन को ट्रैक करने में भी मदद करेगा। यह रडार एक बार में 100 टारगेट को आसानी से ट्रैक कर सकता है।

रजनीकांत के साथ 46 साल बाद काम करेंगे कमल हासन

● एक्टर ने किया कंफर्म, बोले-यह रीयूनियन पहले ही हो जाना चाहिए था

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ के सुपरस्टार कमल हासन और रजनीकांत 46 साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। दुबई में आयोजित नेक्सा सिमा अवॉर्ड्स 2025 के दौरान कमल हासन ने इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह रियूनाइट तो पहले ही हो जाना चाहिए था। कमल हासन ने कहा, हम बहुत पहले एक हो गए थे, लेकिन अलग रहना इसलिए चुना, क्योंकि वे एक बिस्किट बांटकर हमें आधा-आधा देते थे। हम दोनों को एक-एक पूरा बिस्किट चाहिए था और हमें वो मिल गया और हमने इसे इंजॉय किया। अब हम आधे बिस्किट से संतुष्ट हैं और इसलिए हम साथ आ गए हैं। रजनीकांत के साथ कॉम्पिटिशन पर कमल हासन ने कहा, हमें ऐसे मौके मिलना बहुत बड़ी बात है। हमने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि हम ऐसे ही रहेंगे और एक मिसाल कायम करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आत्मघाती नींद से जगाने हेतु मानसूनी चेतावनी

> जहां जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमीय घटनाएं (मानसून में मूसलाधार बारिश और गर्मियों में प्रचंड गर्मी) बढ़ रही हैं वहीं गलत सार्वजनिक नीतियों मसलन, कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण, पहाड़ियों का विनाश, वन कटाई आदि के कारण उनके प्रभाव के रूप का बाढ़, जनहानि, बुनियादी ढांचे को क्षति आदि बढ़ रहे हैं। इसका समाधान जलवायु परिवर्तन और दोषपूर्ण विकास नीतियों पर एक साथ काम करने में है। सबसे पहले, हमें सार्वजनिक नीतियों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढालना होगा। दशकों से हम यह कहते रहे हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इस पर कार्रवाई होती बहुत कम दिखाई देती है।

दिनेश सी शर्मा

नि:संदेह, आपदा लाने वाले पैटर्न जलवायु परिवर्तन से जुड़े हैं जिसमें मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। गलत नीतियों के चलते कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण व वन कटान जारी है। जिससे बाढ़, जनहानि व बुनियादी ढांचे को क्षति बढ़ रही है। इस विनाश पर अंकुश लगाने को नीतियों में जलवायु परिवर्तन चिंताओं को जगह, इंफ्रास्ट्रक्चर के जलवायु ऑडिट व पर्यावरणीय प्रभाव आकलन व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रखी है। अब तक मानसूनी बारिश सामान्य से अधिक रही है और चरम मौसम संबंधी अनेक घटनाएं देखने को मिली हैं। पहले पहाड़ी सूबे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू और कश्मीर सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए तो अब पंजाब में भी भारी बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है, साथ ही राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ इलाके भी प्रभावित हैं। दक्षिणी राज्यों के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी भारी बारिश दर्ज की गई। बादल फटने, बाढ़, भूमि धंसने और भूस्खलन से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। इसी तरह, निजी संपत्ति और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भी भारी क्षति हुई। भारी बारिश के कारण पुल ढह गए हैं, कुछ बांध टूट गए, वहीं नए बने कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग भी बह गए और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने की सूचनाएं हैं। महत्वपूर्ण परिवहन संपर्क बाधित हुए हैं और फसलों की भारी तबाही की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की भविष्यवाणी है कि यह सिलसिला अभी जारी रहेगा। सितंबर माह में भी देशभर में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जिससे बाढ़, भूस्खलन, सड़क परिवहन में व्यवधान, जन स्वास्थ्य चुनौतियां और पारिस्थितिक क्षति जैसी मुश्किलें पैदा होने जा रही हैं। यह वैज्ञानिक रूप से स्थापित है कि वैश्विक मौसम बदलाव से भारतीय मानसून प्रभावित हुआ है। अध्ययन बताते हैं कि 1950 के दशक के बाद से अधिकांश थलीय क्षेत्रों में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है, और इसकी एक बड़ी वजह मानव-जनित जलवायु बदलाव भी है। अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) द्वारा जारी आवधिक आकलन में इन निमौसम विज्ञान विशेषज्ञ मानसून की बढ़ी तीव्रता के पीछे हिंद महासागर के ऊपर वायुमंडलीय नमी के अधिक जमाव को कारक मान रहे हैं, जो आगे, समुद्र सतह के तापमान में बढ़ोतरी के कारण बने अधिक वाष्पीकरण और साथ ही भूमि-समुद्र तापीय विषमता में इजाफे की वजह से यह जमाव ओर सघन हो रहा है। जैसे-जैसे मानसून विशालकाय वर्षा बादल समुद्र से लेकर, दक्षिण-पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ता जाता है वायुमंडलीय नमी का बढ़ा स्तर और ज्यादा नमी वाला आवरण पैदा करता जाता है, जिससे वृष्टि स्तर में और वृद्धि होती है। तो, क्या जो कुछ भी हो रहा है उसके लिए हम आसान दोष जलवायु परिवर्तन पर मढ़ते जाएं और पर्यावरण, शहरी नियोजन, विकास, जल संसाधन, कृषि आदि से संबंधित अपनी सार्वजनिक नीतियों को 'पहले की भांति जारी' रखें? बिलकुल नहीं।

पहला, जलवायु परिवर्तन अपने आप में – जैसा कि आईपीसीसी द्वारा परिभाषित किया गया है – मानवीय गतिविधियों से पैदा घटना है। मसलन, मानसून के प्रमुख संचालक अवयवों में से एक – गर्मियों में भूमि और समुद्र के बीच तापमान में अंतर– में बदलाव हो रहा है, जो मानवीय गतिविधियों से पैदा अत्यधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण है।

जहां जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमीय घटनाएं (मानसून में मूसलाधार बारिश और गर्मियों में प्रचंड गर्मी) बढ़ रही हैं वहीं गलत सार्वजनिक नीतियों मसलन, कंक्रीटीकरण, नदियों की राह पर अतिक्रमण, पहाड़ियों का विनाश, वन कटाई आदि के कारण उनके प्रभाव के रूप का बाढ़, जनहानि, बुनियादी ढांचे को क्षति आदि बढ़ रहे हैं। इसका समाधान जलवायु परिवर्तन और दोषपूर्ण विकास नीतियों पर एक साथ काम करने में है। सबसे पहले, हमें सार्वजनिक नीतियों को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढालना होगा। दशकों से हम यह कहते रहे हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर इस पर कार्रवाई होती बहुत कम दिखाई देती है। राष्ट्रीय और राज्यों की जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं की प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने तक ही सीमित होकर रह जाती है।

दरअसल, सभी सार्वजनिक नीतियों में जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को मुख्यधारा बनाए जाने की। मसलन, पहाड़ों में नए जलविद्युत संयंत्र, राजमार्ग या सुरंग परियोजना का प्रस्ताव मंजूर करते वक्त अथवा निर्माण करते समय, हमें न केवल तात्कालिक पर्यावरणीय चिंताओं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न वर्तमान एवं भविष्य के जोखिमों का भी ध्यान रखना चाहिए। यही बात मैदानी इलाकों में विकास परियोजनाओं पर भी लागू होती है, जहां बिना सोचे-समझे कंक्रीटीकरण, झीलों और जलाशयों के विनाश के कारण शहरी बाढ़ एक नियमित घटना बन गई है।

दूसरा, हम पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) व्यवस्था की गहन समीक्षा करें। वर्षों से इसके अनिवार्य प्रावधानों को दरकिनार करने या इसे पूरी तरह से समाप्त करने के चतुर तरीके ईजाद किए गए हैं। इसका ज्वलंत उदाहरण चार धाम राजमार्ग परियोजना है। संबंधित सरकारी एजेंसियों ने बृहद ईआईए नियमों पर अमल से बचने को 825 किमी लंबी परियोजना को 53 छोटे भागों में विभाजित कर दिया, जिससे प्रत्येक मार्ग की लंबाई 100 किलोमीटर से कम रह गई। इस तरह, वे पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने से बच निकले, क्योंकि ईआईए 100 किमी से अधिक लंबी सड़क परियोजनाओं हेतु अनिवार्य है।

एक बड़ी परियोजना के इस तरह टुकड़े कर,पर्यावरणीय नियमों को दरकिनार करने को पर्यावरणविदों ने उजागर किया और सुप्रीमकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष उठाया था। कुछ मामलों में, ईआईए मंजूरी के बिना शुरू की गई परियोजनाओं को नियमित करने के लिए पर्यावरणीय मंजूरी पिछली तारीखों से प्रभावी दिखाकर प्रदान कर दी गई। सुप्रीमकोर्ट ने मई माह में इस प्रथा को अवैध करार देकर खत्म कर दिया।

विशालकाय विकास परियोजनाओं में निहित पारिस्थितिक जोखिमों की जानबूझकर अनदेखी और ईआईए शर्तों के उल्लंघन के विनाशकारी परिणाम, विशेष रूप से हिमालय में, अब साफ दिखाई देने लगे हैं। इसलिए, हमें न केवल ईआईए व्यवस्था पर पुनर्विचार करने और इसे अधिक कठोर बनाने की आवश्यकता है, बल्कि इसमें उन जलवायु परिवर्तन जोखिमों को भी शामिल करना होगा जो किसी परियोजना के जीवनचक्र के दौरान पैदा हो सकते हैं। साथ ही उन्हें कम से कम करने के तरीके भी। परियोजनाओं को इस तरह डिजाइन किया जाना चाहिए कि भविष्य की जलवायु परिस्थितियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाएं जिससे संभावित हानि व व्यवधान न्यूनतम हो सके। अनुपालन की निगरानी हेतु एक स्वतंत्र व्यवस्था विकसित की जाए।

तीसरा, हमें सभी मौजूदा बुनियादी ढांचों— जलविद्युत परियोजनाएं, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क एवं रेल पुल, हवाई अड्डों – का 'जलवायु ऑडिट' करने की जरूरत है – वित्तीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि यह जांच करने के लिए कि क्या वे जलवायु-परिवर्तन अनुरूप हैं। ईआईए प्रणाली के लागू होने से पहले बने बुनियादी ढांचे के लिए यह और भी जरूरी है। जिन परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिल चुकी है, उनका ऑडिट उनकी मंजूरी के समय निर्धारित शर्तों के अनुपालन को लेकर हो। ऑडिट उपरांत, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को जलवायु-परिवर्तन-रोधी बनाने को आवश्यक उपाय शुरू किए जाएं। बतौर पहला कदम, पर्यावरण मंत्रालय को एक मज़बूत जलवायु ऑडिट तंत्र और यथेष्ट मानक, प्रोटोकॉल और उपकरण विकसित करने चाहिए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या मौजूदा बुनियादी ढांचा बदलती जलवायु का सामना कर सकता है या नहीं। तत्पश्चात, एक ठोस और समन्वित, बहु-क्षेत्रीय राष्ट्रीय प्रयास शुरू किया जाए।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

संपादकीय

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों– संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है। यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

जीएसटी को कम करने से देश की प्रगति रूक सकती है

(लेखक-संजय गोस्वामी)

आज सभी जी एस टी को कम करने से बहुत से लोग तारीफों के पूल बांध रहें हैं लेकिन ऐ देश की प्रगति को धीमा कर सकता है टैक्स को कर कहते हैं जो राष्ट्र के निर्माण में बेहतर करने के लिए रक्षा,शिक्षा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान व विकास, स्वच्छता पिने के पानी को उपलब्ध कराने व खाने पिने के चिजों पर सब्सिडी उपलब्ध कराने बाल कल्याण योजनाओं को चलाने व अन्य सामरिक संस्थानों को मदद करने के लिए आपदाओं से निपटने व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योजनाओं को चलाने के लिए तरह-तरह के कर लगातीं हैं। कर प्राय- धन (money) के रूप में लगाया जाता है किन्तु यह धन के तुल्य श्रम के रूप में भी लगाया जा सकता है। कर दो तरह के हो सकते हैं – प्रत्यक्ष कर (direct ta&) या अप्रत्यक्ष कर (indirect ta&)। प्रत्यक्ष कर वह कर यानि टैक्स है जो सीधे उन लोगों से एकत्र किया जाता है जो इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं, जैसे कि आयकर, संपत्ति कर, संपत्ति कर आदि, जबकि एक अप्रत्यक्ष कर वह होता है जिसे आप जब भी कुछ सामान खरीदते हैं या कुछ सेवाओं का उपयोग करते हैं तो आप भुगतान करते हैं। अप्रत्यक्ष करों में मूल्य वर्धित कर (वैट), बिक्री कर, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क आदि शामिल हो सकते हैंएक तरफ इसे जनता पर बोझ के रूप में देखा जा सकता है वहीं इसे सरकार को चलाने के लिये आधारभूत आवश्यकता के रूप में भी समझा जा सकता है ।जीएसटी आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, सरकारी राजस्व बढ़ाता है और निर्माताओं पर कर का बोझ कम करता है, उत्पादन क्षमता को प्रोत्साहित करता है और भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत करता है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाता है। 2024-25 में, जीएसटी ने ₹22.08 लाख करोड़ का अपना अब तक का उच्चतम सकल संग्रह दर्ज किया, जो साल-दर-साल 9.4 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। औसत मासिक संग्रह ₹1.84 लाख करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष (FY) 2025-26 के लिए भारत का रक्षा बजट ₹6,81,210.27 करोड़ है, जो पिछले वर्ष से 9.5त्न की वृद्धि है, जिसका उद्देश्य सैन्य आधुनिकीकरण को बढ़ाना, घरेलू रक्षा उत्पादन को मजबूत करना और एक आत्मनिर्भर राष्ट्र का समर्थन करना है। इस आवंटन में पूंजी अधिग्रहण और आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण धनराशि शामिल है, जिसमें आधुनिकीकरण बजट का 75त्न घरेलू खरीद के लिए निर्धारित है ।अत: अत: आज जीडीपी को सुधारने व इकोनॉमी को पटरी पर लाने के जरुरी है सरकार के पास पैसा हो जो देश के विकास के लिए कारोबारियों से टैक्स के रुप में प्राप्त करती है वो देश की प्रगति हेतु लिया जाता है जिससे सेना का बजट,विज्ञान और टेक्नोलॉजी के विकास, गरीबों को राशन, स्वास्थ्य, बीमा, रोजगार और महिलाओ की आर्थिक स्थिति को सुधारने में

लगाती है आज रक्षा अंतरिक्ष, विज्ञान और टेक्नोलॉजी में देश आत्मनिर्भर हो रहा है इसके लिए कर का महत्वपूर्ण योगदान है अत: जी एस टी को कम करना देशहित में नहीं है देश के प्रगति रक्षा और गरीबों के कल्याण हेतु कर को कम करना उचित नहीं है.कर करदाता द्वारा किया जाने वाला ऐसा अनिवार्य अंशदान है जो कि रक्षा व सामाजिक उद्देश्य जैसे आय व संपत्ति की असमानता को कम करके नए युवकों को रोजगार प्राप्त करने में सहायक होता है तथा आर्थिक स्थिरता व वृद्धि प्राप्त करने में भी सहायक होता है ।वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक प्रकार का अप्रत्यक्ष कर है जो 1 जुलाई 2017 से पहले भारत में प्रचलित कई अप्रत्यक्ष करों, जैसे वैट, सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मनोरंजन कर, चुंगी आदि का जोड़ है। यह एक व्यापक, बहुस्तरीय-आधारित कर है- व्यापक इसलिए क्योंकि इसमें कुछ राज्य करों को छोड़कर लगभग सभी अप्रत्यक्ष कर समाहित हो गए हैं। बहुस्तरीय होने के कारण, जीएसटी उत्पादन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर लगाया जाता है, लेकिन इसका उद्देश्य अंतिम उपभोक्ता के अलावा उत्पादन के विभिन्न चरणों में सभी पक्षों को वापस करना है और एक गंतव्य-आधारित कर के रूप में, इसे उपभोग के बिंदु से एकत्र किया जाता है, न कि पिछले करों की तरह उत्पत्ति के बिंदु से। कर संग्रह के लिए वस्तुओं और सेवाओं को पाँच अलग-अलग कर स्लैब में विभाजित किया गया है- 0त्न, 5त्न, 18त्न और 40त्न। हालाँकि, पेट्रोलियम उत्पादों, मादक पेय पदार्थों और बिजली पर जीएसटी के तहत कर नहीं लगाया जाता है और इसके बजाय पिछली कर प्रणाली के अनुसार, अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा अलग से कर लगाया जाता है। कच्चे कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों पर 0.25त्न और सोने पर 3त्न की विशेष दर है। इसके अलावा 28त्न जीएसटी के ऊपर 22त्न का उपकर या अन्य दरें कई वस्तुओं जैसे वातित पेय, लक्जरी कारों और तंबाकू उत्पादों पर लागू होती हैं ।जीएसटी से पहले, अधिकांश वस्तुओं के लिए वैधानिक कर की दर लगभग 26.5त्न थी; जीएसटी के बाद, अधिकांश वस्तुओं के 18त्न कर के दायरे में रहने की उम्मीद है समय के अनुसार जीएसटी को बढ़ना चाहिए क्योंकि इन्फेलुएशन के कारण समय बढ़ने से पैसा का इंट्रेस्ट यानि व्याज बढ़ता है अत: जीएसटी को स्थिर रखा जा सकता है लेकिन कम करना सरकारी खजाना में कमी होगा और देश के विकास के लिए कर बहुत जरुरी है।

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है। पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है– धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम-प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो। रुपयें की कोई अपनी मनोदश नहीं है। रुपया पूरा समर्पित है।

विचार मंथन

भारत की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा टेक्स सिस्टम

(लेखक- सनत जैन)

भारत की कर प्रणाली देश की आर्थिक प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बन चुका है। सरकार का यह तर्क कि टैक्स वसूलना देश के विकास और जनहित के लिए आवश्यक है। यह पूरी तरह सही प्रतीत नहीं होता है। असलियत यह है कि देश का टैक्स सिस्टम ना केवल जटिल है। बल्कि हर स्तर पर केन्द्र, राज्य, स्थानीय संस्थाओं एवं शुल्क के रूप में जिस तरह से टेक्स वसूल किया जा रहा है। उससे आम आदमी परेशान हो गया है। तरह-तरह के टेक्स आम नागरिक और व्यवसायी दोनों के लिए भारी बोझ बनता जा रहा है। भारत की टैक्स प्रणाली के नियम और कानून इस तरीके से बनाए गए हैं जिससे भ्रष्टाचार बढ़ता है, सरकार के उच्च पदों पर बैठे नेता और अधिकारी कर प्रणाली का उपयोग भ्रष्टाचार और नागरिकों को दबाने के लिए करते हैं। विशेषकर मध्यम वर्ग और छोटे उद्यमी इस तंत्र की चपेट में आकर सदैव मानसिक और आर्थिक दबाव में रहते हैं। जिसके कारण उनकी कार्य क्षमता प्रभावित होती है। जीएसटी ने सभी की कमर तोड़ दी है। हाल ही में भारत की कर प्रणाली के संबंध में जो तथ्य सामने आया है, उससे स्पष्ट है, भारत में एक करोड़ रूपए कमाने वाला व्यक्ति अपने व्यवसाय या कमाई का लगभग आधे से ज्यादा कमाई को टैक्स और अन्य सरकारी शुल्क में भुगतान करना पड़ता है। भारत में यदि 1 करोड़ रूपए कमाते हैं, तो टैक्स, जीएसटी, मेंटेनेंस, रेंट, कर्मचारी वेतन व अन्य खर्चों के बाद आपके पास बड़ी मुश्किल से मात्र 35 लाख रूपए की बचत होती है। दूसरी ओर, दुबई जैसे देशों में सरकारी कर नाममात्र के है। जिसके कारण दुबई की आर्थिक प्रगति बड़ी तेजी के साथ हो रही है। इसका लाभ वहां की सरकार और आम जनता को समान रूप से मिल रहा है। दुबई जैसे देश में जो भी काम धंधा करके कमा रहा है। उसका पूरा पैसा उसके पास रहता है। वह अपनी मनमर्जी से खर्च करता है। उस खर्च पर टेक्स या सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होने से लोग बड़ी कमाई भी करते हैं, और कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च भी करते हैं। वहां पर लोगों का स्वाभिमान और आत्मविश्वास दोनों ही बना रहता है। भारत मे वर्तमान टैक्स प्रणाली के दुष्परिणाम के कारण, भारत की उच्च कमाई वाले उद्योगपति और व्यवसायी विदेश में निवेश करने लगे हैं। जिससे देश का रोजगार और निवेश लगातार कम हो रहा है। सबसे दुखद पहलू यह है कि सरकारी कर प्रणाली आम जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि कारोबारियों से अधिक धन वसूलने के लिए डिजाइन की गई है। यहां नियम कानून कारोबारियों को दबाने और उनका शोषण करने के लिए सरकारी तंत्र द्वारा बनाए जा रहे हैं। सरकार की निगाह में कमाई करने वाले व्यक्ति, संस्थान पर इनकम टैक्स के छापे, फायर एनओसी, पुलिस एवं अन्य दमनकारी उपाय शुरू हो जाते हैं। जिनकी नौकरी अथवा किराए

इत्यादि से कमाई है। उनसे भी तरह-तरह के टैक्स वसूल किए जाते हैं। टैक्स वसूल करने के बाद भी उन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उल्टे सरकार के अधिकारी और कर्मचारी नियमों के बल पर उनका आर्थिक शोषण समय-समय पर करते हैं। भारत में गरीब आदमी को भी सरकारी सुविधायें नहीं मिलती है। अस्पताल से लेकर सरकारी स्कूल तक में अच्छी सुविधा पाना आम नागरिकों के लिए आज भी सपना है। वर्तमान टैक्स सिस्टम से गरीब और अमीरों के बीच खाई बढ़ती जा रही है। बड़े उद्योगपति और अमीर वर्ग जहां अपने पैसे लेकर विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेश भाग रहे हैं। वहीं आम जनता करों के बोझ से दबती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में भारत की जनता बड़ी तेजी के साथ कर्जदार हुई है। आय से ज्यादा उसे खर्च करना पड़ रहा है। खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। इस प्रणाली ने देश के अंदरूनी आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बाधित कर केवल सरकारी तंत्र को पोषित किया है। परिणाम स्वरूप, रोजगार के अवसर भारत में घटते जा रहे हैं। युवा पीढ़ी मानसिक तनाव और निराशा के सागर में गोते लगा रही है। समाज के सभी वर्गों में डर और भय का वातावरण बना हुआ है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश होने के बाद भी हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स प्रणाली और सरकार का हस्तक्षेप है। लोगों के निजी जीवन में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है। भारत को सशक्त राष्ट्र बनाना है, तो टैक्स सिस्टम में मूलभूत सुधार करना जरूरी है। सरल, पारदर्शी और निष्पक्ष टैक्स नीति अपनाई जाए। देश के व्यवसायी उत्साहित होकर देश में निवेश के साथ उद्यमशील बनकर रोजगार पैदा करें। दुबई जैसे देश से सबक लेते हुए भारत में सरकारी नियंत्रण कम से कम हों, नियम सीधे एवं सरल हों, जिनको आम आदमी समझ सके। सरकार को केवल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सार्वजनिक व्यवस्था करने में ध्यान केन्द्रित करना होगा। नेता और सरकारी अधिकारी पदों का अपने निजी लाभ के लिए दुरुपयोग कर रहे हैं। सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अव्वल, निर्यात में गुजरात आगे

मुंबई । सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। मध्य प्रदेश में 80 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। इसके बाद राजस्थान में 74 आंध्र प्रदेश में 70 कर्नाटक में 60 गुजरात में 55 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। सीमेंट निर्यात के मामले में गुजरात अग्रणी राज्य है। यहां से 10 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात तथा मध्य प्रदेश से 8 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेश में किया जाता है। गुजरात में पोर्ट होने से सीमेंट निर्यात में गुजरात को फायदा होता है। मध्य प्रदेश में कोई पोर्ट ना होने के कारण उत्पादन ज्यादा होने के बाद भी निर्यात कम होता है। राजस्थान से 6 आंध्र प्रदेश से 7 तथा कर्नाटक से 5 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेशों में किया जा रहा है। निर्यात के कारोबार में अंबुजा, सांघी,अल्ट्राटेक एसीसी, जेके सीमेंट डालमिया इत्यादि कंपनियों की भागीदारी सबसे ज्यादा है।

त्योहारों में ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने का अनुमान

मुंबई । त्योहारों के मौसम में शहरी परिवारों की खरीदारी के तरीकों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। लोकल सर्किल्स की रिपोर्ट के अनुसार इस बार ऑनलाइन और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले शहरी परिवारों की संख्या 115 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। जीएसटी दरों में कमी से खरीदारों की सकारात्मक धारणा और बढ़ी है, जिससे ऑनलाइन खरीदारी को और बढ़ावा मिल रहा है। कुल मिलाकर इस त्योहारी सीजन में खर्च का अनुमान 2.19 लाख करोड़ रुपये लगाया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 37 फीसदी शहरी परिवार इस दौरान 20,000 रुपये या उससे अधिक खर्च करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, ऑफलाइन खरीदारी अभी भी कई लोगों की पसंद बनी हुई है।

भारत में अगस्त 2024 में वाहनों की खुदरा बिक्री में मामूली वृद्धि

नई दिल्ली । अगस्त 2024 में भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 19,64,547 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने 19,10,312 इकाई के मुकाबले 2.84 प्रतिशत अधिक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यह वृद्धि वाहन बाजार में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। पैसेंजर वाहनों की बिक्री अगस्त में 3,23,256 इकाई हुई, जो पिछले साल की तुलना में 0.93 प्रतिशत अधिक है। वहीं, दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 13,73,675 इकाई रही, जिसमें 2.18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में मांग बढ़ने का मुख्य कारण ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों का उत्सव रहा। हालांकि, उत्तर भारत में भारी बारिश और बाढ़ के कारण ग्रामीण इलाकों में मांग प्रभावित हुई। कमर्शियल वाहनों की बिक्री में अगस्त में 8.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 75,592 इकाई रही। इसके विपरीत, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 2.26 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,03,105 इकाई पर रह गई। फाडा ने बताया कि ऐतिहासिक 'जीएसटी 2.0' सुधारों के कारण ग्राहक कीमतों में कमी की उम्मीद के साथ खरीदारी को सितंबर तक टाल रहे हैं। हालांकि, बाजार की समग्र धारणा स्थिर बनी हुई है और डीलरों को त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद है। फाडा के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि अगस्त में त्योहारों ने बाजार में उत्साह बढ़ाया है, लेकिन जीएसटी सुधारों की वजह से कुछ मांग में देरी हुई है। उन्होंने वाहनों पर हालिया जीएसटी कटौती का स्वागत किया और आगामी महीनों में बिक्री में तेजी आने की संभावना जताई।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े आईपीओ और मिल्स सुधारों पर फैसला संभावित

- फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का खुल सकता है मार्ग

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) 12 सितंबर को अपनी अहम बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधार प्रस्तावों पर निर्णय ले सकता है। यह बैठक चालू वित्त वर्ष की दूसरी और चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के नेतृत्व में तीसरी होगी। पांडेय ने उचित नियमन पर लगातार जोर दिया है और इस बैठक में भी इसी दिशा में कई पहल की संभावना है। सेबी म्युचुअल फंड्स के लिए रेगुलेशन 24बी में छूट देने पर विचार कर रहा है। इसमें एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को विदेशी संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-ब्रॉड-बेस्ड फंड्स को मैनेज और एडवाइज करने की अनुमति मिल सकती है। इससे फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का मार्ग खुल सकता है। इसके अलावा, म्युचुअल फंड स्कीम के वर्गीकरण की समीक्षा भी संभावित है, जिससे निवेशकों को बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। बड़ी कंपनियों के लिए आईपीओ प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सेबी डिल्यूशन नियमों में ढील देने और 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह कदम बड़े आईपीओ लाने वाली कंपनियों जैसे रिलायंस जियो इन्फोकॉम के लिए लाभकारी होगा, जिनकी हाल ही में आईपीओ की चर्चा शुरू हुई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के नियमों को सरल बनाने के साथ-साथ मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस की गवर्नेंस को मजबूत करने के उपाय भी बैठक में प्रस्तावित हैं। इसमें कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति और उनकी जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन शामिल होगा।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो । अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत विकास दर्ज किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा, जो प्रारंभिक अनुमान 1.0 प्रतिशत से दोगुना से अधिक है। इस वृद्धि के पीछे ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार में बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। तिमाही आधार पर जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शुरुआती 0.3 प्रतिशत के अनुमान से बेहतर है। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग और निर्यात के कारण जापान की अर्थव्यवस्था ने इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी स्थिरता बनाए रखी है।

36000 करोड़ का मुनाफा कमाया ओएनजीसी ने

रूस से सस्ता तेल लेकर निर्यात कारोबार में उतरी कंपनी

मुंबई । आयल एवं नेचुरल गैस के खनन रिफाइनरी और निर्यात के कारोबार में ओएनजीसी ने 36226 करोड़ रुपए की कमाई की है। यह कमाई 2021-22 की तुलना में कम है। 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 26 फ़ीसदी कम हुआ है। उसके बाद भी कंपनी ने 36000 करोड़ की कमाई की है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अनुसार रूस से सस्ती दरों में तेल आयात किया जा रहा है। ओएनजीसी कच्चा तेल खरीदकर सहायक कंपनियां मंगलोर रिफायनरी एंड केमिकल और हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के माध्यम से कारोबार कर रही है। 14 अगस्त 1956 को कंपनी की स्थापना हुई थी। यह सरकारी क्षेत्र की कंपनी है। कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग 71 फ़ीसदी की हिस्सेदारी इसी कंपनी की है। प्राकृतिक गैस का भी 70 से 84 फीसदी तक उत्पादन कंपनी कर रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में यह 3 लाख करोड़ रुपए मार्केट कैप वाली कंपनी है। 15 देश में इस कंपनी का कारोबार है।इस कंपनी में 26000 लोगों की टीम काम कर रही है।ओएनजीसी का शेयर 234 रुपए पर कारोबार कर रहा है। 52 हफ्तों का यह सबसे निचला स्तर है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान इस कंपनी का कारोबार तेजी के साथ बढ़ा है। भारत की महारत्न कंपनियों की सूची में यह शामिल है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक बढ़कर 80,787.30 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक ऊपर आकर 24,773.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी ऑटो 3.30 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.37 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.46 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.21फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 285.95 अंक करीब 0.50 फीसदी की बढ़त के साथ 57,361.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 29.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 17,684.35 पर था।

सेंसेक्स पैक की बात करें तो आज टाटा मोटर्स, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, फार्मा शेयर गिरे। आज बाजार तेजी से शुरु हुआ पर आईटी शेयरों में गिरावट के साथ ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे बाजार दबाव के कारण नीचे आने लगा और दिन के अंत में हल्की बढ़त पर बंद हुआ।

वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ 80,904 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 66 अंकों की तेजी के साथ 24,807 पर खुला। । पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 5,667 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, लेकिन घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की 13,444 करोड़ रुपए की खरीदारी ने बाजार को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में आज तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.7 फीसदी ऊपर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। चीन का अगस्त ट्रेड डेटा भी आज जारी होगा। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में कमजोर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरा, डॉव जोन्स 0.48 फीसदी नीचे रहा, जबकि नैस्डैक कॉम्पोजिट 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक को इंतजार के बाद मिलेगी अकूत दौलत

-एक बिटकॉइन की कीमत 2.1 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी

नई दिल्ली। बिटकॉइन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है। इसकी मार्केट कैपिटल 2.2 ट्रिलियन डॉलर है, जो इस समय सर्कुलेशन में मौजूद सभी कॉइन और टोकन की कुल वैल्यू के आधे से भी ज्यादा है। सभी कॉइन की कुल मार्केट कैपिटल करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। इस समय बिटकॉइन का रेट करीब 1.10 लाख डॉलर है, जो भारतीय करेंसी में करीब 97 लाख रुपए के बराबर बनता है। आप सोच रहे होंगे कि इतनी महंगी क्रिप्टोकरेंसी के रेट और क्या बढ़ेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी माइक्रोस्ट्रेटजी के को-फाउंडर माइकल सैलर ने कहा था कि 2045 तक एक बिटकॉइन की कीमत 1.3 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। फिर जून में एक सम्मेलन में, सैलर ने अपने टारगेट प्राइस को संशोधित कर 2.1 करोड़ डॉलर कर दिया था। अगर सैलर का जून वाला अनुमान सही साबित होता है, तो आज बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक अगले 20 सालों में 18,800फीसदी का शानदार रिटर्न कमा सकते हैं यानी उनकी दौलत 188 गुना हो जाएगी, जिससे इस समय मात्र 53000 रुपए का निवेश एकए करोड़ रुपए का बन जाएगा। इसके लिए सैलर ने तर्क भी दिया है।

माइकल सैलर को लगता है कि दुनिया की हर एसेट आखिरकार ब्लॉकचेन पर टोकनाइज होगी, क्योंकि इससे पारदर्शिता और एफिशिएंसी बढ़ेगी। जैसे अमेरिका में रियल एस्टेट होल्डिंग्स का कोई सेंट्रलाइज्ड रजिस्टर नहीं है, यही एक कारण है कि घर खरीदने में महंगी कानूनी फीस और लंबी जांच-पड़ताल की प्रोसेस होती है। सैलर के मुताबिक हर रियल एस्टेट लेनदेन को ब्लॉकचेन पर रखने से पारदर्शिता में सुधार के साथ-साथ इन कॉस्ट में से कुछ को कम किया जा सकेगा।

रिपोर्ट में सैलर ने बताया कि हर देश की सरकार को इस नजरिए के लिए एक कानूनी ढांचा बनाने के लिए राजी करना मुश्किल होगा, लेकिन उनका मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रिप्टो समर्थक प्रशासन की बदौलत अमेरिका इस दिशा में लीडर की भूमिका निभा सकता है।

ऑडी इंडिया ने कारों के भाव 2.6 से 7.8 लाख तक घटाए

नई दिल्ली । मंी की लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने भारत में अपने मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक की कटौती की घोषणा की है। यह बदलाव 'जीएसटी 2.0' लागू होने के बाद किया गया है। ई कीमतों के तहत ऑडी की लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 की कीमत 43.07 लाख रुपये हो गई है, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। वहीं क्यू8 एसयूवी की कीमत 1.1 करोड़ रुपये से शुरू होगी, जो पहले 1.18 करोड़ थी। क्यू5, क्यू7 और सेडान मॉडल ए4 व ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है। कंपनी ने बताया कि ग्राहक मॉडल के अनुसार 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक का लाभ उठा सकेंगे। इससे भारतीय लग्जरी कार बाजार में ग्राहकों को बेहतर विकल्प मिलेगें।

अमेरिकी शुल्क से कोलकाता की चमड़ा फैक्ट्रियों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

- चमड़ा निर्यातकों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क का असर, ऑर्डर घटे, उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली । कोलकाता के बंताला स्थित एक चार मंजिला चमड़ा फैक्टरी में करीब 380 कर्मचारी हैं, जो ह्यूगो बॉस जैसे ब्रांड के लिए हैंडबैग और वॉलेट तैयार करते हैं। चमड़े के टुकड़े करीने से पंक्तियों में रखे हुए हैं और फैक्टरी में तेज़ी से काम हो रहा है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी आर्थिक चिंता छुपी है। क्रीसेंट एक्सपोर्ट्स के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन हाल ही में अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर ऑर्डर पर पड़ा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एम. अजहर ने बताया कि अमेरिका से आने वाले कई ऑर्डर रोक दिए गए हैं और उत्पादन की रफ्तार भी धीमी हो गई है। अमेरिका ने यह जवाबी शुल्क रूस से तेल खरीदने के चलते लगाया है, जिसमें अतिरिक्त 25 फीसद शुल्क 27 अगस्त से लागू हुआ। इस समय कंपनी के पहले जितना माल तैयार था, उसे क्रीसेंट ने हवाई मार्ग से भेजा, जबकि सामान्यतः समुद्री मार्ग का इस्तेमाल होता है। कंपनी की लगभग 60 फीसदी बिक्री अमेरिका में होती है, जबकि शेष यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में। अन्य कंपनियां जैसे जेसी इंटरनेशनल भी इसी संकट से जूझ रही हैं। उनके अनुसार अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चुनौतीपूर्ण रहेगी।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योगः 7 नैनोमीटर तकनीक के लिए तैयार हो रहा है देश

नई दिल्ली । भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग में 7 नैनोमीटर (एनएम) और उससे उन्नत चिप निर्माण तकनीक हासिल करने के लिए अगले 5 से 7 वर्षों में एक स्पष्ट खाका तैयार किया है। सरकार की 15 साल की योजना का उद्देश्य भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक दिग्गज बनाना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तकनीक लाने और बातचीत के प्रयास जारी हैं। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक टाटा समूह, 91,000 करोड़ रुपये के निवेश से पहला वेफर फैब्रिकेशन प्लांट स्थापित कर रहा है। इस प्लांट में 28 नैनोमीटर और उससे ऊपर की चिप्स का उत्पादन होगा, जो देश की सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। नैनोमीटर ट्रांजिस्टर के आकार को मापने की इकाई है। ट्रांजिस्टर जितना छोटा होगा, उतनी अधिक संख्या में वे चिप पर फिट किए जा सकेंगे। इससे चिप का प्रदर्शन बेहतर होगा, बिजली की खपत कम होगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी। आईबीएम और बेल्जियम की आईएमईसी के साथ भारत सरकार की बातचीत चल रही है। आईबीएम ने 2023 में भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत घरेलू अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। आईबीएम ने दुनिया की पहली 2 नैनोमीटर चिप विकसित की है और जापानी कंसोर्टियम रैपिडस कॉरपोरेशन के साथ 2 एनएम तकनीक पर काम कर रहा है। आईएमईसी, जो टीएसएमसी, इंटेल और रैपिडस जैसी कंपनियों के साथ कार्यरत है, भारत को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई ने पेश किए नए मॉडल

नई दिल्ली । शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने लगातार नए मॉडल और अपडेट पेश कर रही है। हुंडई इंडिया ने 1996 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और आज यह हर साल लाखों ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कंपनी की रणनीति सिर्फ नई कारें लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझते हुए डिजाइन, तकनीक और किफायत पर भी ध्यान देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्रेटा है, जिसने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बेजोड़ लोकप्रियता हासिल की।

जानकार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए हुंडई ने भी ईवी सेगमेंट पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की रेंज में नए विकल्प पेश करने की तैयारी कर रही है। ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा और बाजार की तेजी ने हुंडई को आगे बढ़ाया है। साथ ही, कंपनी के डीलर नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी इसकी सफलता का अहम कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ सालों में जब इलेक्ट्रिक कारों की मांग और बढ़ेगी, तब हुंडई अपनी शुरुआती बढ़त को और मजबूत कर सकती है। फिलहाल, कंपनी का लक्ष्य हर सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराना है। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया ने बीते वर्षों में मजबूत पकड़ बनाई है और आज कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता बन चुकी है।

खासतौर पर एसयूवी सेगमेंट में क्रेटा ने हुंडई को एक अलग पहचान दी है।

बालाजी वेफर्स में 10 फीसदी हिस्सा बेचेंगे प्रवर्तक

- डील की वैल्यूएशन 40,000 करोड़ रुपये तक

नई दिल्ली । गुजरात की प्रमुख स्नैक्स कंपनी बालाजी वेफर्स के संस्थापक विरानी बंधु अपनी लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। कंपनी इस सौदे के लिए देश-विदेश की शीर्ष निजी इक्विटी फर्मों से बातचीत कर रही है। यह सौदा करीब 40,000 करोड़ रुपये (लगभग 5.3 अरब डॉलर) के मूल्यांकन पर हो सकता है। कंपनी का यह कदम देशभर में कारोबार के विस्तार और विकास के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बालाजी वेफर्स के प्रवर्तक हल्दीराम के हालिया सफल सौदे से प्रेरित हैं। मार्च 2024 में हल्दीराम ने 10 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 1 अरब डॉलर जुटाए थे। इस कदम ने स्नैक्स और पैकेज्ड फूड सेक्टर में नया बेंचमार्क स्थापित किया है, जिससे बालाजी वेफर्स के मूल्यांकन और निवेश की संभावनाओं को बल मिला है। कंपनी परिवार द्वारा संचालित है, लेकिन विकास के अगले चरण के लिए पेशेवरों को बोर्ड में शामिल करने पर भी विचार चल रहा है। इसके अलावा, बालाजी वेफर्स 5-6 साल के अंदर सार्वजनिक सूचीबद्धता (आईपीओ) का भी विचार कर रही है, ताकि कंपनी के लिए और व्यापक पूंजी जुटाई जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए।

जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे।

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे।

आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है। केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

एशिया कप पर अय्यर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हकदार होने के बावजूद टीम से बाहर रहना निराशाजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह चूक निराशाजनक थी। अय्यर ने कहा कि वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अय्यर को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके बजाय वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भारत ए की अगुवाई करेंगे।अय्यर ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'यह तभी निराशाजनक होता है जब आपको पता होता है कि आप टीम में प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार हैं। उस समय यह निराशाजनक होता है। लेकिन साथ ही जब आपको पता होता है कि कोई टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है तो आप उसका समर्थन करते हैं। आखिरकार लक्ष्य टीम की जीत होती है और जब टीम जीत रही होती है, तो सभी खुश होते हैं।' हाल के वर्षो में अय्यर सभी प्रारूपों में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने के बाद उन्होंने 2025 में पंजाब किंग्स की ओर रुख किया और उन्हें फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि पंजाब किंग्स खिताब से चूक गई लेकिन अय्यर की कप्तानी की खासकर उनकी रणनीतिक सजगता और दबाव में धैर्य की व्यापक प्रशंसा हुई। अय्यर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित हैं। घरेलू सीजन और ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे के साथ इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के पास अपनी योग्यता साबित करने और सीनियर टीम में वापसी करने का एक और मौका है। अय्यर ने एक बल्लेबाज के रूप में काफी विकास किया है।

रवि शास्त्री नहीं चाहते ओपनिंग जोड़ी में बदलाव, कहा- 'सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा खतरनाक'

नई दिल्ली (एजेंसी)।पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री टी20 एशिया कप में सलामी जोड़ी में बदलाव नहीं चाहते। शास्त्री चाहते हैं कि टीम प्रबंधन अभिषेक शर्मा के सलामी जोड़ीदार के रूप में संजू सैमसन को ही बरकरार रखे। अगर शुभमन गिल प्लेइंग इलेवन में जगह बनाते हैं तो शास्त्री का मानना हैं कि गिल किसी और की जगह बल्लेबाजी करने आए।

शास्त्री ने मीडिया से बातचीत दौरान कहा, 'सैमसन शीर्ष तीन में सबसे खतरनाक हैं। यही पर वह आपको मैच जिताते हैं। उन्हें वहीं छोड़ देना चाहिए। सैमसन की जगह गिल को लाना इतना आसान नहीं होगा। सैमसन का टी20 में भारत के लिए शीर्ष क्रम में अच्छा रिकॉर्ड है। गिल के लिए भी उन्हें हटाना मुश्किल होगा। गिल किसी और की जगह आ सकते हैं। लेकिन सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अकेला छोड़ देना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'सैमसन को उसी तरह खेलना जारी रखना चाहिए जैसा उन्होंने टी20 में भारत के लिए खेला है। वह शीर्ष क्रम में लगातार बड़े रन और शतक बना रहे हैं।'

गौर है कि 30 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदोन्नत होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन किया है। अब तक उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में तीन शतक बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज के रूप में 17 मैचों में उन्होंने 31.76 की औसत और 178.76 के स्ट्राइक रेट से 520 रन बनाए। सैमसन ने हाल ही में हुई केरल क्रिकेट लीग 2025 में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए शानदार फॉर्म हासिल की। उन्होंने पांच पारियों में 73.60 की औसत और 186.80 के स्ट्राइक रेट से 368 रन बनाए। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

दुबई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क-वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और %यूनिवर्स बॉस% के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, %ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।%

गेल ने याद करते हुए कहा, %तो मुझे पता है कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है। आपका मानसिक स्वास्थ्य पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने अनिल (अनिल कुंबले) को फोन किया। मैंने एक-एक करके चर्चा की और कहा कि सुनो मैं जा रहा हूं क्योंकि उसी समय मेरे पास विश्व कप भी था और हम एक बुलबुले में थे। इसलिए आप बाहर नहीं आ सकते थे इसलिए आपका मानसिक संतुलन बस जा रहा था। यह वास्तव में बहुत ही हैरान करने वाला था और आपको नष्ट कर रहा था। मैं अंदर से टूट गया था और मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी गेम के बाद मैं ऐसा था। मैं शांति पाने के बजाय खुद को और नुकसान पहुंचाने वाला हूं।'

गौर है कि गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन बनाए हैं जिनमें 22 शतक और 88 अर्धशतक शामिल हैं। उनके पूर्व साथी पोलार्ड (14,145 रन) और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (14,047 रन) भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं।

एशिया कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12-0 से हराया, नवनीत और मुमताज ने 3-3 गोल दागे

बीजिंग (ईएमएस)। नवनीत कौर और मुमताज खान के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने चीन में खेले जा रहे एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में सिंगापुर को 12-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही पूल बी से भारतीय टीम का सुपर चार में पहुंचना तय हो गया है। भारत की ओर से नवनीत और मुमताज ने तीन-तीन गोल किये। मुमताज ने मैच के दूसरे ही मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद नवनीत ने मैच के 14वें, 18वें और 28वें मिनट में तीन गोल दाग दिये। वहीं मुमताज ने 32वें और 38वें मिनट में दो गोल और दाग दिये। वहीं लालरेम्सियामी ने 13वें, उदिता ने 29 वें जबकि शर्मिला देवी ने 45वें मिनट और ऋतुजा पिसल ने 52वें मिनट में गोल किये। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था जबकि जापान से उसका दूसरा मैच 2-2 से बराबरी पर रहा था। मैच में पूरी तरह से भारतीय टीम हावी रही। सिंगापुर की टीम केवल चौथे क्वार्टर में ही कुछ हद तक मुकाबला कर पायी।

भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी : गावस्कर

-शुभमन के भी एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मनाना है कि भारतीय टीम एशिया कप में अपने मैच आसानी से जीत जाएगी। गावस्कर ने कहा, अगर भारतीय टीम अपने मैच आराम से नहीं जीत पाती है तो मुझे हैरानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का रहा है उससे वह अन्य टीमों से कहीं आगे हैं। भारतीय टीम को यहां पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका से भी टक्कर मिलेगी। इसके बाद भी पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से शानदार प्रदर्शन किया है। उससे वह एशिया कप में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। वहीं इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गावस्कर के अनुसार शुभमन में टी20 में भी अच्छी बल्लेबाजी करने की क्षमताएं हैं। वहीं इससे पहले कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने कहा था टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनको टी20 टीम में शामिल करना ठीक नहीं है। वहीं गावस्कर का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में किया था। उसके बाद से ही टी20 के लिए भी उनकी दावेदारी पक्की हो गयी थी। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की है जिसे देखते हुए किसी को भी उनकी क्षमताओं पर संदेह नहीं होना चाहिये। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। उन्होंने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए काफी रन बनाये हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की।

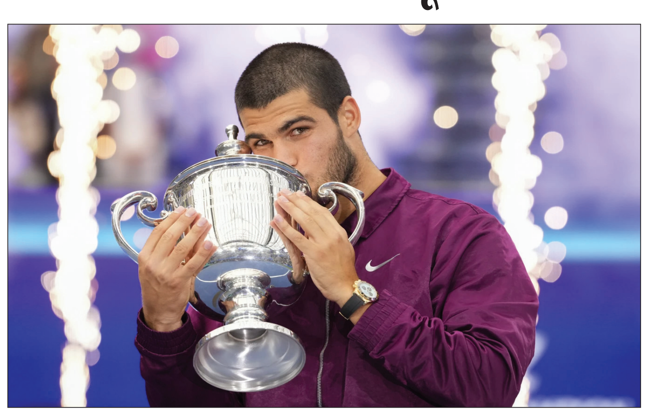

यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की।

अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

टेबल टेनिस : अंडर-15 डबल्स में अनन्या-दिव्यांशी को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 6 पदक

नई दिल्ली। भारत की अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ स्टार कंटेंडर में अंडर-15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एक रोमांचक और कड़े फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़्लिंग को 3-2 के स्कोर से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही, भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए। यह फाइनल मैच भारतीय जोड़ी के धैर्य और दृढ़ता का एक बेहतरीन उदाहरण था। शुरुआती गेम जीतने के बाद, चीनी जोड़ी ने जबरदस्त वापसी की। लेकिन, निर्णायक गेम में अनन्या और दिव्यांशी ने शांत रहते हुए खेला और कई मैच पॉइंट बचाए। उन्होंने अंतत: 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 के स्कोर से जीत हासिल की, जिससे भारत को सबसे बड़ा सम्मान मिला। इससे पहले सेमीफाइनल में, इस जोड़ी ने अपने ही देश की खिलाड़ियों, रियाना भूटा और अंकौलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रियाना और अंकौलिका ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। भारत की पदक तालिका को पी.बी. अभिनंद (अंडर-19) और ऋत्विक गुप्ता (अंडर-15) ने अपने-अपने सिंगल्स मुकाबलों में रजत पदक जीतकर और मजबूत किया। डबल्स मुकाबलों में भी भारत के लिए और मेडल आए। पी.बी. अभिनंद और सिंड्रेला दास ने अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता, जबकि ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत ने अंडर-15 बॉयज़ डबल्स में भी कांस्य पदक हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप के देश उत्तरी मैसेडोनिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में एक सराहनीय प्रदर्शन किया और भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगाईं।

वर्कलोड मैनेजमेंट पर बोले शार्दुल ठाकुर, कोई यह नहीं पूछता हमारा शरीर कैसा महसूस करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर अपनी राय दी है। शार्दुल का मानना है कि खिलाड़ियों को हल्के में लिया जाता है। उन्हें शरीर को नियंत्रित रखने और उसे चोट से मुक्त रखने के लिए जरूरी लगातार ब्रेक नहीं मिलते।

हाल ही में वर्कलोड मैनेजमेंट एक तीखी बहस का हिस्सा रहा। कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह द्वारा इंग्लैंड के खिलाफ पांच में से तीन टेस्ट मैचों के लिए खुद को उपलब्ध रखने की आलोचना की। वही शार्दुल का मानना है कि वर्कलोड मैनेजमेंट किया जाना चाहिए।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के आखिरी दिन वेस्ट जोन के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और प्रबंधन उच्चतम स्तर का नहीं है। इतने महीनों तक खेलने के बाद कोई भी हमसे आकर यह नहीं पूछता कि हमारा शरीर कैसा महसूस कर रहा है। लेकिन हां मैं फिजियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ अपने शरीर का प्रबंधन कर रहा हूं और लगातार काम कर रहा हूं।'

गौर है कि चोट से वापसी के बाद शार्दुल रणजी ट्रॉफी 2024-25, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए उनके प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में खेला। इसके बाद वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का हिस्सा थे। दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में खेलने से पहले उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में दो टेस्ट मैच खेले।

भारत ने चौथी बार जीता हॉकी एशिया कप, फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराया

राजगीर (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में खेले गए हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम चैंपियन रही है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने कोरिया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने विश्व कप हॉकी का टिकट भी कटा लिया है। भारतीय टीम के लिए दिलप्रीत सिंह ने दो जबकि सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में गोल कर दिया। हरमनप्रीत सिंह ने कोरियाई डिफेंडर को छकाते हुए सुखजीत को पास दिया। उन्होंने टॉप कॉर्नर को बैकहैंडर से टॉमहॉक मारा। उनके शॉट का कोरियाई गोलकीपर के पास जवाब नहीं था और गेंद गोल पोस्ट में समा गई। पहले क्वार्टर की समाप्ति पर भारतीय टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारत के लिए दिलप्रीत ने गोल दागा। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भारतीय टीम अटैक के साथ-साथ कोरियाई खिलाड़ियों को रोकने की रणनीति के तहत खेल रही थी। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले भारत ने तीसरा गोल दागा। गोल दिलप्रीत ने मारा था। भारत की बढ़त 3-0 की हो गई। चौथे क्वार्टर में भारत के लिए चौथा गोल अमित रोहिदास ने किया। चौथे क्वार्टर के अंत में कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल किया गया। समय समाप्ति की घोषणा के साथ ही भारतीय टीम कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ एशिया चैंपियन बन गई।

भारतीय हॉकी टीम 8 साल बाद एशिया कप चैंपियन बनी है। वहीं, चौथी बार हॉकी इंडिया ने इस खिताब पर कब्जा जमाया है। भारत ने सबसे पहले 2003 में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था, जब फाइनल में उन्होंने पाकिस्तान को 4-2 से हराया था। इसके बाद उन्होंने 2007 में चेन्नई में टूर्नामेंट जीता। भारत ने आखिरी बार 2017 में मनप्रीत सिंह की अगुवाई में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। पिछले संस्करण में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

दलीप ट्रॉफी : जगदीशन और पडिक्कल के जाने के बाद फाइनल में साउथ जोन में दो स्टार खिलाड़ी शामिल

आगामी दलीप ट्रॉफी फाइनल की तैयारी के लिए जगदीसन और पडिक्कल के भारत ए टीम में शामिल होने के बाद साउथ जोन की टीम ने दो होनहार बल्लेबाज कर्नाटक के रविचंद्रन स्मरण और तमिलनाडु के आंद्रे सिद्धार्थ को टीम में शामिल किया। दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबला में साउथ जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा। जो 11 सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर खेला जाएगा। एन जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज जगदीशन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 197 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम के 536 रनों के स्कोर में अहम योगदान दिया। इस प्रदर्शन की बदौलत साउथ जोन ने फाइनल में जगह बनाई। पडिक्कल ने भी दोनों पारियों में 57 और नाबाद 16 रन बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ए टीम के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों के लिए जगदीशन और पडिक्कल के चयन के बाद स्मरण और सिद्धार्थ को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला 19 सितंबर से शुरू होगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए साउथ जोन की टीम- मोहम्मद अज़हरुद्दीन (कप्तान और विकेटकीपर), रिकी भुई (उप-कप्तान), रविचंद्रन स्मरण, काले एम, शेख रशीद, तन्मय अग्रवाल, सलमान निज़ार, आंद्रे सिद्धार्थ, तनय त्यागराजन, गुरजापनीत सिंह, एमडी निधिश, वासुकी कौशिक, अंकित शर्मा, टी विजय, बासिल एनपी।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

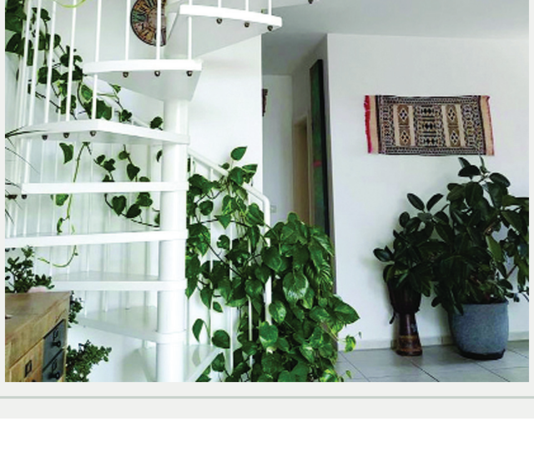

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दिल्ली में बच्चा चोरी गैंग का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार, 6 मासूम बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बच्चों की तस्करी करने वाले संगठित गिरोह का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 6 मासूम बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस इस मामले में विस्तृत जानकारी देने की तैयारी में है। पुलिस के शुरुआती इनपुट के अनुसार यह गिरोह बेहद संगठित और अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय है। इसका नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है। गिरोह में महिलाओं और पुरुषों दोनों की अहम भूमिका पाई गई है। जांच में सामने आया है कि गैंग के अलग-अलग सदस्य अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते थे। कुछ सदस्य, खासतौर पर महिलाएं, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, रेलवे स्टेशनों और अस्पतालों से बच्चों को चुराने का काम करती थीं। अन्य सदस्य ग्राहकों से संपर्क कर बच्चों की बिक्री का सौदा तय करते थे। गिरोह में नकली दस्तावेज तैयार करने वाले और फर्जी डॉक्टर/वकील भी शामिल थे, जो सौदे को कानूनी रूप देने की कोशिश करते थे।

2-3 लाख में बिकते थे मासूम

सूत्रों के मुताबिक, चुराए गए बच्चों को 2 से 3 लाख रुपये में निःसंतान दंपतियों या अन्य जरूरतमंदों को बेचा जाता था। कई बार इस धंधे में बिचौलिए भी शामिल होते थे, जो ग्राहकों तक बच्चों को पहुंचाने का काम करते थे।

बिहार में दिवाली-छठ पर चलेंगी 12 हजार स्पेशल ट्रेनें, लोगों को मिलेगी सुविधा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व पर बिहार के लिए 12000 से ज्यादा विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। उन्होंने एक्स लिखा कि इस साल विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8591 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। उन्होंने पीएम मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की तारीफ भी की।

चंद्रग्रहण में बनाई मछली, धार्मिक कट्टरपंथियों ने घर पर कर दिया हमला

- महिलाओं के फाड़े कपड़े, पुरुषों को जमकर पीटा, घर में की तोड़फोड़

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के लिंगराज थाना क्षेत्र के नागेश्वर टांगी इलाके में चंद्रग्रहण के दिन मांसाहारी भोजन करने पर एक परिवार को भारी कीमत चुकानी पड़ी। करीब युवकों की भीड़ ने घर में घुसकर परिवार पर हमला कर दिया, कपड़े फाड़े और बुरी तरह पीटा। पीड़ित परिवार का कहना है कि वे अपने घर में खाना बनाकर खा रहे थे, लेकिन उन्हें हेतुवादी या तर्कवादी कहकर निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार का कहना है कि उन्होंने चंद्रग्रहण को वैज्ञानिक और तार्किक नजरिए से देखा और रोज की तरह चिकन बिरयानी और मछली पका रहे थे। लेकिन इस बात से कुछ हिंदू धार्मिक कट्टरपंथी नाराज हो गए। कट्टरपंथियों का आरोप था कि परिवार हेतुवादी या तर्कवादी है यानी वे लोग धर्म और भगवान में विश्वास नहीं रखते है। हमला करने वाले युवकों ने धार्मिक नारे भी लगाए और परिवार के सदस्यों से घसीट घसीट कर बुरा तरह पीटा। बताया गया कि भीड़ ने जबरन दरवाजा तोड़ दिया, खिड़कियों के शीशे चकनाचूर कर दिए और घर के अंदर घुसकर हमला किया। महिलाओं के कपड़े फाड़कर उनकी बेइज्जती की, पुरुषों को डंडों और लाठियों से पीटा। आस-पास के लोग डर से कुछ नहीं कर पाए। इस पूरी घटना से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश की। हालांकि, तब तक परिवार के कई सदस्य घायल हो चुके थे और घर को काफी नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुलगाम में मुठभेड़: सुरक्षा बलों ने एक आतंकी किया ढेर, एक जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों ने आतंकियों को घेर लिया है। चारों तरफ से घिरे आतंकियों से हमारे बहादुर जवान लोहा ले रहे हैं। दोनों तरफ से हो रही फायरिंग में एक आतंकी ढेर हो गया है जबकि एक हमारा बहादुर जवान घायल हुआ है। यहां 3 से 4 आतंकी छिपे होने की सूचना है जिन्हें सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। दहशतगर्दों की ओर से गोलीबारी में सेना के तीन जवान घायल भी हुए हैं जिनमें एक अफसर रैंक के हैं। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने बताया कि कुलगाम के गुडर जंगल में दहशतगर्दों के होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो जंगल में छिपे आतंकी फायरिंग करने लगे। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई जिसका सेना की ओर से मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष कार्य बल (एसओजी), भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन में शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बीते दिनों सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दी थी। घुसपैठ का यह प्रयास ऐसे समय में हुआ था, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बाढ़ के बाद हुई मौतों और तबाही का आकलन करने के लिए शीतकालीन राजधानी जम्मू के दौरे पर आए थे। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'तड़के करीब साढ़े पांच बजे बालाकोट के सामान्य इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध हलचल देखी गई।

जैन समाज के कार्यक्रम से एक करोड़ रुपए का कलश चुराने वाला भूषण गिरफ्तार

-आरोपी ने बताया एक नहीं तीन कलश हुए थे चोरी, एक बरामद दो की तलाश जारी

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला परिसर से चोरी हुए एक करोड़ के कलश मामले में क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर कलश बरामद कर लिया है। पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस औपचारिक तौर पर इसका ऐलान कर सकती है। क्राइम ब्रांच के सूत्र के मुताबिक फुटेज के आधार पर यूपी के हापुड़ से यह गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार किए गए शख?स का नाम भूषण वर्मा है। पूछताछ में ये खुलासा हुआ है कि मौके से एक नहीं बल्कि तीन कलश चोरी हुए थे। हालांकि फिलहाल एक कलश बरामद हुआ है। बाकी दो कलश को बरामद करने के लिए क्राइम ब्रांच गाजियाबाद सहित कुछ अन्य लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। सूत्र के मुताबिक इस मामले की तफ्तीश के दौरान दो और आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी भूषण वर्मा जैन समाज से नहीं है, लेकिन वह अपने को जैन धर्म से जुड़ा हुआ दिखाने के लिए उनके जैसे कपड़े उसी पूजा अनुष्ठान के मुताबिक तैयार करके उस कार्यक्रम में पहुंचा था। सीसीटीवी में दिख रहा है कि जिस तरह से धोती और चुन्नी पहनी थी वह जैन समुदाय के लोग अपने अनुष्ठान, पूजा करने के दौरान पहनते हैं। आरोपी भूषण ने बेहद प्लानिंग के साथ इस वारदात को अंजाम दिया था।

दरअसल, चोरी हुआ यह कलश 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना है, जिसमें 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। चोरी का मामला बीते मंगलवार को सामने आया था, जब कारोबारी सुधीर जैन रोजाना की तरह पूजा के लिए कलश लेकर आए थे। इस दिन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी पहुंचे थे। उनके स्वागत के दौरान हुई अफरा-तफरी में कलश मंच से गायब हो गया। सुधीर जैन ने बताया कि कलश उनकी निजी संपत्ति थी और इसे धार्मिक भावना से बनवाया गया था।

दिल्ली पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, लाल किला परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान कर ली थी। पुलिस टीम ने मौके पर फॉरेंसिक जांच और गवाहों से पूछताछ भी की थी। यह अनुष्ठान जैन समुदाय द्वारा लाल किला परिसर में 15 अगस्त को पार्क में आयोजित किया जा रहा है, जो 9 सितंबर तक चलेगा। चोरी की घटना से समुदाय में आक्रोश था और लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े आयोजन में सख्ती से निगरानी रखी जानी चाहिए थी।

यह कलश केवल सोने और रत्नों से जड़ा आभूषण नहीं था, बल्कि जैन समाज के धार्मिक आयोजनों में प्रतिदिन होने वाले पूजन का अहम

हिस्सा था। आयोजन समिति के सदस्य पुनीत जैन ने बताया था कि यह कलश लंबे समय से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल किया जा रहा था और हर दिन पूजा-पाठ के दौरान विशेष मंच पर स्थापित किया जाता था। मंच पर केवल परंपरागत परिधान पहने अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है।

संबित पात्रा ने विपक्ष पर साधा निशाना और बोले- घुसपैठिया बचाओ आंदोलन चला रहा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे घुसपैठियों के समर्थन में भाजपा नेताओं को धमकियां दे रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि विपक्ष अब घुसपैठिया बचाओ आंदोलन चला रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की जो यात्रा निकली है, वह अब घुसपैठिया बचाओ यात्रा बन चुकी है। बीजेपी प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग की विशेष मतदाता पुनरीक्षण ड्राइव (स्पेशल इंटेंसिव ड्राइव) से विपक्ष, खासकर कांग्रेस और गांधी परिवार, हताशा में आ गए हैं। इसी के चलते नेताओं के भड़काऊ बयान सामने आ रहे हैं। पात्रा ने झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी के बयान का हवाला देते हुए कहा, जो घुसपैठियों की बात करेगा, जो बांग्लादेशी कहेगा, भारतीय जनता पार्टी की कब्र हम झारखंड में खोद देंगे।

लोकतंत्र और समाज के लिए खतरा

बीजेपी प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि यह बयान सिर्फ धमकी नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। उन्होंने अपील की कि कोलकाता हाईकोर्ट को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे नेताओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाना चाहिए। पात्रा ने विपक्ष पर देश की सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा किसी भी हालत में घुसपैठियों और उनके संरक्षण की राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगी।

दिल्ली की हवा में पारा सबसे ज़्यादा, किडनी और दिल के लिए खतरनाक

-छह साल की रिसर्च में हुआ खुलासा, धीरे-धीरे कम होने के संकेत भी मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित हो गई है कि सांस लेना अब और खतरनाक हो गया है। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट की छह साल की रिसर्च में पता चला है कि दिल्ली की हवा में पारा सबसे ज़्यादा है। पारा एक जहरीला धातु है जो तंत्रिका तंत्र, किडनी और हृदय के लिए बहुत ही नुकसानदेह है। रिसर्च में दिल्ली, अहमदाबाद और पुणे की हवा की तुलना की गई। इसके जो नतीजे आए वह हैरान करने वाले हैं।

रिसर्च ने बताया गया है कि दिल्ली में पारा का स्तर दक्षिण एशिया में अब भी सबसे ज्यादा है। दिल्ली की हवा में पारा का स्तर 6.9 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया है, जबकि अहमदाबाद में यह 2.1 और पुणे में 1.5 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है। दिल्ली का पारा स्तर वैश्विक स्तर से 13 गुना ज्यादा था। रिसर्च में बताया गया कि इन शहरों में पारा का 72 फीसदी से 92फीसदी हिस्सा मानव गतिविधियों जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योगों के कारण है। सर्दियों में और रात के समय पारा की मात्रा बढ़ जाती है, जो कोयला जलाने, पराली जलाने और स्थिर मौसम की वजह से होता है।

आईआईएससी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के चेयर प्रोफेसर गुफ़रान बीग ने कहा कि पारा डब्ल्यूएचओ के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 10 खतरनाक रसायनों में शामिल है। अगर छोटे मात्रा में भी 5-10 साल तक सांस के जरिए एक्सपोज़र होता रहे, तो यह खतरनाक साबति हो सकता है। लंबे समय तक पारा सांस लेने से तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र, इम्यून सिस्टम, किडनी और फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है।

दिल्ली की हवा में पारा का स्तर सबसे ज्यादा है, जबकि अहमदाबाद और पुणे में कम पाया गया। वैज्ञानिकों का दावा है कि हाल के वर्षों में धीरे-धीरे कमी का संकेत भी मिला है। दिल्ली की हवा में पारा बढ़ने का मुख्य कारण मानव गतिविधियां जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योग हैं। सर्दियों और रात के समय पारा का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग, किडनी, फेफड़े, हृदय और पाचन तंत्र पर गंभीर असर डाल सकता है।

चिदंबरम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर उठाए सवाल, कहा- आयोग का काम हलफनामे या माफ़ी मांगने का अल्टीमेटम देकर चुनौती देना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर एक नया हमला बोला। उन्होंने तीन पूर्व चुनाव निगरानीकर्ताओं की दुर्लभ सार्वजनिक आलोचना का सहारा लिया, जिन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों से निपटने के तरीके को गलत बताया था। चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग का काम गंभीर शिकायतों की जाँच करना है, न कि विपक्ष के नेता को हलफनामे या माफ़ी मांगने का अल्टीमेटम देकर चुनौती देना। चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों द्वारा की गई कड़ी आलोचना का हवाला दिया। उनके अनुसार, पूर्व चुनाव अधिकारियों ने कुमार के रुख की कड़ी आलोचना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि अगर किसी नागरिक या हितधारक ने कोई ठोस शिकायत की है, तो

चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह शिकायतकर्ता को चुनौती देने के बजाय उसकी जाँच करे।

उनका यह ट्वीट ऐसे समय आया है जब तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा है कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का रवैया सही नहीं है। एसवाई कुरैशी और ओपी रावत और पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने जोर देकर कहा कि भारत के चुनाव 'काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'वोट चोरी' जैसे दावे राजनीतिक बयानबाजी हैं, जो हर चुनावी मौसम में सामने आते हैं। एसवाई कुरैशी ने कहा था कि वोटर लिस्ट को लेकर चिंताएं जायज हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वोटर लिस्ट हमारी कमजोर रीढ़ हैं। ये भारत के चुनावों और उनकी विश्वसनीयता की नींव हैं। जब तक वोटर लिस्ट सटीक और साफ-सुथरी नहीं होंगी, चुनावों को भरोसेमंद नहीं माना जा सकता।

तीनों पूर्व चुनाव अधिकारियों ने वोटर लिस्ट की व्यवस्थित जांच (SIR) के कॉन्सेप्ट का बचाव किया था। लेकिन उन्होंने बिहार में इसकी टाइमिंग और प्रक्रिया पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में 'गलतियां होना स्वाभाविक है' और चुनाव से ठीक पहले इसे विवाद का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

बिहार विस चुनाव: विपक्षी गठबंधन में जेएमएम और लोजपा(पशुपति) के जुड़ने से बढ़ी चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी) जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नज़दीक आते जा रहे हैं, सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी महागठबंधन - दोनों खेमों में सीट बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। एनडीए में जहां चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की मांगों से बातचीत कठिन हो रही है, वहीं विपक्षी महागठबंधन में अब दो और दल जुड़ गए हैं - झारखंड मुक्ति मोर्चा (हेमंत सोरेन) और लोजपा (पशुपति पारस गुट)। महागठबंधन में पहले से ही राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और वीआईपी मौजूद थे। अब झामुमो और पारस गुट के जुड़ने से दलों की संख्या 8 हो गई है। यानी अब राज्य की 243 विधानसभा सीटों का बंटवारा आठ पार्टियों के बीच करना होगा, जो सहमति तक पहुँचना और भी कठिन बना देगा। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने इस बार 50 सीटें और डिप्टी सीएम पद की मांग कर दी है। साथ ही उनकी इच्छा है कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और उन्हें उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया जाए। हालांकि सूत्रों का कहना है कि सहनी को 20-25 सीटों से ज़्यादा मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पिछली बार वे 11 सीटों पर लड़े थे और सिर्फ 4 जीत पाए थे। कांग्रेस को भी इस बार 70 की जगह 50-60 सीटों के अंदर संतोष करना पड़ सकता है, बशर्ते सीटें ÷विजयी संभावना÷ वाली हों। वहीं, भाकपा (माले) अपनी बेहतर जीत दर यानी पिछली बार बेहतर स्ट्राइक रेट को देखते हुए ज़्यादा सीटों की मांग कर रही है। महागठबंधन का कुनबा बढ़ा जरूर है, लेकिन सीटों के बंटवारे का गणित और कठिन हो गया है। तेजस्वी यादव के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती होगी - सभी दलों को साधकर चुनाव मैदान में उतरना। पशुपति पारस को उनके गढ़ खगड़िया अलौली और हाजीपुर सीटें दी जा सकती हैं। वे अलौली से कई बार विधायक रहे हैं।

कर्नाटक में फार्म-7 के जरिए वोट काटने का फर्जीवाड़ा उजागर, चुनाव आयोग पर उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रणाली पर टिकी है, लेकिन कर्नाटक से एक सनसनीखेज मामला चुनाव आयोग की गंभीर खामियों को उजागर करता है। जांच में पता चला है कि फार्म-7 का दुरुपयोग कर हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से फर्जी तरीके से हटाए गए। यह पूरा खेल महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबरों तथा गरुण एप सहित अन्य प्लेटफॉर्म्स के जरिए पोर्टल से मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

कांग्रेस उम्मीदवार बी.आर. पाटिल ने 2018 में आनंद विधानसभा क्षेत्र से 697 वोटों से हार के बाद इस मामले को उठाया था। 2023 में दोबारा चुनाव के दौरान उन्होंने सीआईडी जांच की मांग की थी। जांच में सामने आया कि 6000 से अधिक फार्म-7 गरुण एप्लीकेशन के जरिये दाखिल किए गए, जिनमें से 5994 फर्जी पाए गए। यह फॉर्म राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल (NVSP), वोटर हेल्पलाइन और गरुण एप के माध्यम से भरे गए थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिन लोगों के मोबाइल से फॉर्म भरे गए, उन्हें एप या प्रक्रिया की जानकारी तक नहीं थी। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबरों से

लॉगिन कर कर्नाटक के मतदाताओं के नाम काटे गए। जिसके कारण वह मतदान से वंचित हो गए। इससे साफ हुआ कि चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली में न तो मल्टीफैक्टर ऑथेंटिकेशन था। नाहि आवेदकों की सही पहचान की कोई व्यवस्था।

जांच एजेंसियों ने चुनाव आयोग से आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी डाटा मांगा, लेकिन चुनाव आयोग से नहीं मिला। कई फॉर्म अधूरे होने के बावजूद चुनाव आयोग ने मंजूर किए, जिससे चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। चुनाव आयोग धोखाधड़ी करने वालों को क्यों बचाना चाहता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे को सार्वजनिक करने की कोशिश की, चुनाव आयोग ना जांच कर रहा है, नाहि डाटा दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के चुनावी तंत्र के लिए खतरे की घंटी है। जनता अब पूछ रही है कि क्या वोटरों की सुविधा के नाम पर बनाए गए एप और डिजिटल व्यवस्था वोट चोरी के फर्जीवाड़े का नया माध्यम बन रहे हैं? यदि समय रहते पारदर्शी और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है। संविधान और संबैधानिक संस्थाओं से लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा।

फिलहाल देशभर की निगाहें कर्नाटक सीआईडी, चुनाव आयोग और न्यायपालिका पर टिकी हैं, जो वोट काटने के इस रहस्यमय मामले की सच्चाई सामने लाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को फिर से विश्वसनीय और मजबूत बना सकती हैं। चुनाव आयोग द्वारा मामले की जॉच करने के स्थान पर जिस तरह से साइबर फ्राड को दबाने का काम किया जा रहा है। उससे राहुल गांधी और विपक्ष के वोट चोरी के आरोप में चुनाव आयोग की भूमिका भी संदिग्ध हो रही है।

बेंगलुरु की जेल में प्रज्वल रेवन्ना को मिला लाइब्रेरी क्लर्क का काम, रोजाना रू.522 मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हसन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में पुस्तकालय क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया है। कर्नाटक के एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रेवन्ना अब आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के लिए जेल के अनिवार्य श्रम कार्यक्रम के तहत कैदियों को किताबें जारी करने और उधार लेने का रिकॉर्ड रखने की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। जेल अधिकारियों के अनुसार, रेवन्ना ने प्रशासनिक कार्यों में रुचि दिखाई थी। हालाँकि, उनके कौशल का मूल्यांकन करने और जेल की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, अधिकारियों ने उन्हें पुस्तकालय में नियुक्त कर दिया। उनकी दैनिक ज़िम्मेदारियों में पुस्तकों को सूचीबद्ध करना, जारी करना और उन पर नज़र रखना शामिल है, जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन 522 रुपये मिलते हैं।

एक जेल अधिकारी ने मीडिया को बताया कि आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों से जेल में काम करने की उम्मीद की जाती है। काम का आवंटन कौशल और इच्छा पर आधारित होता है। रेवन्ना पहले ही लाइब्रेरी में एक दिन की ड्यूटी पूरी कर चुके हैं। आमतौर पर, कैदियों से महीने में कम से कम 12 दिन काम करने की उम्मीद की जाती है, जो आमतौर पर हफ्ते में तीन दिन होता है। हालाँकि, लगातार अदालती चक्कर लगाने और कानूनी सलाह-मशविरे के कारण, रेवन्ना का काम अब तक हल्का रहा है।

प्रज्वल रेवन्ना को मई 2025 में एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज बलात्कार और यौन उत्पीड़न के कई मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। इस दोषसिद्धि ने इस युवा राजनेता के लिए एक नाटकीय पतन का संकेत दिया, जिन्हें कभी जद(एस) पार्टी का उभरता हुआ चेहरा माना जाता था। रेवन्ना पर पूर्व कर्मचारियों और राजनीतिक सहयोगियों सहित कई महिलाओं द्वारा बलात्कार, यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के कई आरोप लगाए गए थे। 2024 की शुरुआत में कथित तौर पर उनसे जुड़े अश्लील वीडियो ऑनलाइन लीक होने के बाद इन मामलों ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जिससे कर्नाटक में भारी जन आक्रोश और राजनीतिक हंगामा मच गया।

अमेरिका जिस एफ-35 पर इतराता है उससे कई गुना हाईटैक है रूस का ये लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका अपने एफ-35 फाइटर जेट को लेकर खूब इतराता है। वो अपने 5वीं पीढ़ी के विमान को दुनिया में सबसे बेहतर होने का दावा करता है लेकिन रूस के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एसयू 57 एम1ई को ग्लोबल मार्केट में हलचल मचा दी है। एसयू 57 एम1ई एक स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायु श्रेष्ठता और जमीनी हमलों दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह मैक 2 यानी करीब 2,450 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और बिना रीफ्यूलिंग के 3,500 किमी तक का सफर तय करने में सक्षम है। इस जेट की सबसे बड़ी ताकत है इसका सुपर-क्रूज मोड यानी यह

बिना आफ्टरबर्नर के भी सुपरसोनिक उड़ान भर सकता है। इसमें एन036 बायल्का एईएसए रडार, थ्रस्ट-वेक्टरिंग इंजन और एल-बैंड रडार लगे हैं, जो इसे हवा में अदृश्य और बेहद घातक बनाते हैं। रूसी एसयू 57 एम1ई की वेपन क्षमता भी गजब की है। इसमें कुल 12 हार्डपॉइंट हैं, जिनमें से 6 अंदरूनी हैं। यानी यह विभिन्न मिसाइलों और बमों को अपने भीतर छिपाकर ले जा सकता है और स्टील्थ क्षमता को बनाए रखते हुए दुश्मन पर वार कर सकता है।

भारत के पास अभी कोई भी ऑपरेशनल पांचवीं पीढ़ी का जेट नहीं है। भारतीय वायुसेना फिलहाल एसयू-30एमकेआई और राफेल पर निर्भर है, जबकि स्वदेशी तेजस एमके-2 (4.5 पीढ़ी) विकसित हो रहा है। भविष्य के लिए भारत की सबसे बड़ी उम्मीद है एडवांस मीडियम कॉम्बेट एयरक्रॉफ्ट (एएमसीए), जो स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का जेट होगा। हालांकि एएमसीए का प्रोटोटाइप 2035 तक ही उड़ान भरने की संभावना है। एसयू 57 एम1ई भारत के लिए एक अंतरिम समाधान साबित हो सकता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या भारत रूस पर निर्भर रहकर अपनी जरूरत पूरी करेगा या फिर एएमसीए के जरिए स्वदेशी आसमान की ओर कदम बढ़ाएगा। खबर है कि इस साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना है। इस दौरान वो पीएम मोदी को यह विमान पूरी तरह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ बेचने का ऑफर कर सकते हैं। एफ -35 के मुकाबले रूसी एसयू 57 एम1ई सस्ता विकल्प है।

एसयू 57 एम1ई की कितनी है कीमत?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसयू 57 एम1ई की अनुमानित कीमत 35-40 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट है। भारतीय करेंसी में यह कीमत करीब 352 करोड़ से ज्यादा बैठती है, जो अमेरिकी एफ-35 की तुलना में लगभग आधी है। एक एफ-35 विमान की कीमत करीब 700 करोड़ बताई जाती है। यही नहीं, रूस ने भारत को इस जेट का सोर्स कोड और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर देने का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत अपने हिसाब से इसे कस्टमाइज कर सके।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाने वाले को फांसी, 2024 में फंदे पर लटकाए गए 100 लोग

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने प्रदर्शनों के दौरान साल 2022 में सुरक्षा कर्मियों पर घातक हमला करने के आरोपित को शनिवार को फांसी दे दी। साल 2022 में महसा अमीनी नाम की कुर्द महिला की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद ईरान में जबरदस्त प्रदर्शन हुए थे। ईरान में तय ड्रेसकोड का पालन नहीं करने पर उसे गिरफ्तार किया गया था। मिजान ऑनलाइन ने आरोपित की पहचान मेहरान बहरमियां के तौर पर की है। उस पर आरोप था कि उसने सुरक्षाकर्मियों के वाहन पर फायरिंग की थी, जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। ये वाकया इशफहान प्रांत के सेमिरोम काउंटी में हुई थी। ईरान के सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा पर मुहर लगाई थी। अधिकार समूहों के मुताबिक साल 2022 के प्रदर्शनों के मामले में दी गई ये 12वीं फांसी की सजा है। समूहों का कहना है कि देश में विरोध को कुचलने के लिए बड़े पैमाने पर ये अभियान चलाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, ईरान में साल 2024 में 1000 लोग फांसी पर चढ़ाए गए हैं। ये आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है।

रूस ने कीव पर दागे ड्रोन और मिसाइलें, कैबिनेट बिल्डिंग से उठा धुआं ; हमले में दो की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लगातार बड़ा रूप लेता जा रहा है। इस बीच खबर है कि रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल दागी गई है। इस हमले में कम से कम दो लोगों के मौत होने की सूचना है। दरअसल, बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने कीव पर हमला बोला है। इस हमले के बा कीव के कैबिनेट भवन की छत से भी धुआं उठता हुआ देखा गया है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये धुआं हमले के कारण देखने को मिला या किसी और वजह से निकल रहा था। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, कीव के नगर प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे का शव मलबे से निकाला गया है। कीव के मेयर विटालि क्लित्श्को ने बताया कि रूस की ओर से दागे गए ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की जिले के एक आवासीय इमारत और कीव के डार्नित्स्की जिले में एक अन्य इमारत पर गिरा। वहीं, इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

CEO की बाहों में झूलने वाली HR पति से लेंगी तलाक

वाशिंगटन, एजेंसी। सॉफ्टवेयर कंपनी एस्ट्रेनामर की पूर्व एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट ने अपने पति एंड्रयू कैबोट से

तलाक के लिए अर्जी दायर कर दी है। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह पने बॉस एंडी बायरन के साथ एक कॉन्सर्ट के दौरान अंतरंग पलों में दिखाई दी थीं। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अगस्त को क्रिस्टिन ने न्यू हैम्पशायर के पोर्ट्समाउथ कोर्ट में तलाक की अर्जी दी। जुलाई में मैसाचुसेट्स के गिलेट स्टेडियम में हुए कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान चकिस कैम' पर क्रिस्टिन और एंडी बायरन कैमरे में कैद हो गए। दोनों उस वक्त शादीशुदा थे और अपने-अपने पार्टनर से अलग देखे गए थे। स्टेडियम में बैठे दर्शकों और सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। कोल्डप्ले के सिंगर क्रिश मार्टिन ने मंच से मजाकिया लहजे में कहा, या तो ये अफेयर में हैं या फिर बहुत ज्यादा शरमीले हैं। इसके बाद ऑनलाइन यूजर्स ने जल्द ही दोनों की पहचान उजागर कर दी। एंडी बायरन जुलाई 2023 से एस्ट्रेनामर के सीईओ थे। उन्होंने विवाद के कुछ ही दिनों बाद इस्तीफा दे दिया।

भारत-नेपाल के बीच लिपुलेख विवाद में नहीं पड़ेगा चीन

नेपाली पीएम ओली ने मुद्दा उठाया; जिनपिंग बोले- आपका आपसी मामला, मिलकर सुलझाएं

बीजिंग/काठमांडू, एजेंसी। नेपाली पीएम केपी शर्मा ओली 31 अगस्त से 1 सितंबर तक स्ष्टह्र समिट में शामिल होने चीन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति के सामने लिपुलेख का मुद्दा उठाया था। ओली ने कहा था कि यह इलाका नेपाल का हिस्सा है और भारत-चीन के बीच हुए हालिया सहमति पर नेपाल ने आपत्ति दर्ज कराई है। दरअसल, 19 अगस्त को भारत और चीन ने लिपुलेख पास को ट्रेड रूट के तौर पर फिर से खोलने का फैसला किया था। इस पर नेपाल ने विरोध जताया था। नेपाल 2020 में नया नक्शा जारी कर लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को अपना बता चुका है, जबकि भारत इन्हें लंबे समय से अपने हिस्से में मानता है। इस महीने भारत दौरे पर आएंगे नेपाल पीएम नेपाल के पीएम ओली 16 सितंबर को भारत दौरे पर आएंगे। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी रविवार, 17 अगस्त

को काठमांडू पहुंचे थे। मिसरी ने प्रधानमंत्री ओली, विदेश मंत्री अर्जु राणा देउबा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राय से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने, कनेक्टिविटी, व्यापार और विकास सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। ओली के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते होने की संभावना है। पिछले साल जुलाई में ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनका भारत दौरा लगातार टलता रहा है। लिपुलेख दर्रा औपचारिक व्यापारिक मार्ग है ब्रिटिश काल में भी भारत और चीन के बीच हिमालय का लिपुलेख दर्रा व्यापार और तीर्थयात्रा का प्रमुख केंद्र था। 1991 में भारत और चीन ने इसे औपचारिक व्यापारिक मार्ग बनाया था। भारत-चीन के बीच साल 2005 में 12 करोड़ रुपए का आयात और 39 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। साल 2018 में 5.59 करोड़ रुपए का आयात और 96.5 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। 5,334 मीटर ऊंचाई पर सदियों से व्यापार धारचूला भारत-नेपाल सीमा पर बसा है और आदि कैलाश व मानसरोवर का पारंपरिक मार्ग भी यही है। यह मार्ग लिपुलेख दर्रे से तिब्बत को जोड़ता है। ब्यांस, दारमा और चौंदास घाटी के व्यापारी 10वीं सदी से इस दर्रे के जरिए कारोबार करते आ रहे हैं। 5,334 मीटर ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रा सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक और आर्थिक साझेदारी का प्रतीक भी है। पहले व्यापारी 1100 साल तक पैदल व खच्चरों से माल ढोते थे। धारचूला-लिपुलेख सड़क और गूंजी गांव में मंडी से व्यापार को नई गति मिलेगी। नियमों को केंद्र सरकार अंतिम रूप दे रही है।

अगले महीने दक्षिण कोरिया जाने की तैयारी में हैं ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्टूबर में दक्षिण कोरिया के दौरे पर जा सकते हैं। इस दौरान ट्रंप एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग समिट में शिरकत करेंगे। इस समिट में ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी देखने को मिल सकती है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप अपने टॉप सलाहकारों के साथ दक्षिण कोरिया का रुख करेंगे। वो क्ष्ष्ट समिट में हिस्सा लेने की तैयारी कर रहे हैं। समिट का आयोजन दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में शहर में होगा। इस सम्मेलन की निश्चित तारीखों का एलान अभी नहीं हुआ है। मगर कयास लगाए जा रहे हैं कि अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में यह समिट हो सकती है। इस दौरान ट्रंप और चिनफिंग भी आमने-सामने होंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और चिनफिंग के बीच गंभीर विषयों पर चर्चा हो सकती है। पिछले महीने भी ट्रंप ने चिनफिंग से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान चिनफिंग ने ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का निमंत्रण दिया था।

तानाशाह किम से कर सकते हैं मुलाकात हालांकि, ट्रंप ने इसे लेकर कोई तारीख फाइनल नहीं की है। अभी यह भी साफ नहीं है कि दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान ट्रंप किसी और देश की यात्रा करेंगे या नहीं। दक्षिण कोरिया के दौरे पर ट्रंप उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से एक बार फिर मिल सकते हैं। मगर, किम क्ष्ष्ट समिट में जाएंगे, यह अभी तय नहीं है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने पिछले हफ्ते क्ष्ष्ट समिट में शिरकत करने के लिए ट्रंप को न्यौता भेजा था। इस दौरान ट्रंप ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए दक्षिण कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जताई थी। ऐसे में अगर चिनफिंग और किम के साथ ट्रंप की मुलाकात फाइनल हो जाती है, तो अगले महीने पूरी दुनिया की निगाहें इस समिट पर होंगी।

'कुछ लोगों की जेबें भरेंगी, ज्यादातर होंगे और गरीब, एआई के गॉडफादर ने ऐसा क्यों कहा

यरुशलम , एजेंसी। कंप्यूटर साइंटिस्ट और नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री हिंटन को एआई का गॉडफादर भी कहा जाता है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। हिंटन ने कहा कि एआई की वजह से बेरोजगारी बढ़ेगी और कंपनियों के मुनाफे में उछाल आएगा, क्योंकि वो कर्मचारियों की जगह ढ्ढ का इस्तेमाल करेंगी। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में हिंटन ने कहा कि ये एआई की गलती नहीं, बल्कि पूंजीवादी सिस्टम का नतीजा है। अभी तो बड़े पैमाने पर छंटनी की खबरें नहीं आई हैं। ऐसे सबूत मिल रहे हैं कि एआई खासकर एंट्री-लेवल जॉब्स को कम कर रहा है, जहां नए कॉलेज ग्रेजुएट्स अपनी शुरुआत करते हैं। जेफ्री हिंटन ने कहा, 'हकीकत ये है कि अमीर लोग एआई का इस्तेमाल वर्कर्स को हटाने के लिए करेंगे। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और कुछ लोगों की जेबें और भरेंगी, जबकि ज्यादातर लोग और गरीब होंगे।' पिछले महीने उन्होंने कहा था कि एआई कंपनियां लंबे समय के नुकसान की बजाय तुरंत मुनाफे के बारे में ज्यादा सोचती हैं। न्यूयॉर्क फेड ने एआई को लेकर एक सर्वे किया है। इसमें पता चला कि ढ्ढ इस्तेमाल करने वाली कंपनियां कर्मचारियों को हटाने की बजाय उन्हें री-ट्रेन करने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, हालांकि आने वाले महीनों में छंटनी बढ़ने की आशंका है।

हेल्थकेयर सेक्टर पर कैसा होगा असर : साइंटिस्ट हिंटन ने पहले कहा था कि हेल्थकेयर ऐसा सेक्टर है जो एआई से होने वाले जॉब क्राइसिस से बचा रहेगा। उन्होंने जून में डायरी ऑफ ए सीईओ यूट्यूब सीरीज में बताया, 'अगर डॉक्टरों को पांच गुना ज्यादा कुशल बनाया जाए तो हम उसी कीमत में 5 गुना ज्यादा हेल्थकेयर पा सकते हैं। मरीज हमेशा ज्यादा हेल्थकेयर चाहते हैं, अगर उसका कोई खर्च न हो।' हिंटन का यह भी मानना है कि जो नौकरियां बोरिंग या साधारण कामों से जुड़ी हैं, उन्हें एआई ले लेगा। हालांकि, जिनमें हाई स्किल की जरूरत है वो फिलहाल सुरक्षित रहने वाली हैं।

हमास के खिलाफ होगी आर-पार की लड़ाई, इजरायली सेना ने फलस्तीनियों को गाजा सिटी छोड़ने को कहा

यरुशलम , एजेंसी। इजरायली सेना ने गाजा सिटी में रहने वाले लाखों लोगों को शहर छोड़कर दक्षिणी भाग में बनाए सुरक्षित क्षेत्र में जाने के लिए कहा है लेकिन लोग अपना घर-शहर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। हमास के खिलाफ सीधी कार्रवाई करना चाहती है सेना गाजा पट्टी के इस सबसे बड़े शहर को आमजनों से खाली करवाकर इजरायली सेना वहां पर हमास के खिलाफ सीधी कार्रवाई करना चाहती है। यही वह क्षेत्र है जिस पर 23 महीने की लड़ाई में इजरायली सेना पूरी तरह से कब्जा नहीं कर पाई है। अभी 48 बंधक होने की जानकारी इजरायली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों की कार्रवाई में उसने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर कब्जा कर लिया है, बस शहर का सघन आबादी वाला मध्य भाग ही नियंत्रण से बचा है। इजरायली

सेना को शक है कि हमास के प्रभाव वाले इस शहर में अपहृत इजरायली नागरिकों को बंधक बनाकर रखा गया है। माना जा रहा है कि हमास के पास अभी 48 बंधक होने की जानकारी है, इनमें से 20 के जीवित होने की उम्मीद है।

जमीनी और पूरे गाजा शहर पर हवाई हमले कर रही है प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शहर पर कब्जा करने के निर्देश को अमल में लाने के लिए इजरायली सेना कई हफ्तों से गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर जमीनी और पूरे गाजा शहर पर हवाई हमले कर रही है। बाहरी इलाकों के ज्यादातर लोगों ने सुरक्षा की चिंता करते हुए इलाका छोड़ दिया है। लेकिन शहर के मध्य भाग में अभी भी लाखों लोग मौजूद हैं। इजरायली सेना की घेराबंदी के चलते उन्हें खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान भी नहीं मिल पा रहा है। नेतन्याहू ने गाजा सिटी पर स्थायी कब्जा करने की बात कही है, जहां की सुरक्षा का पूर्ण दायित्व इजरायल का होगा। इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता कर रहे मिस्त्र और कतर ने गाजा पर कब्जे की नेतन्याहू की घोषणा और फलस्तीनियों को शहर छोड़ने के इजरायली सेना के फरमान की निंदा की है। 64 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए विदित हो कि 23 महीने से जारी लड़ाई में इजरायल के हमलों में 64 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके अधिकारी हमास के साथ गंभीर वार्ता कर रहे हैं। इस वार्ता के परिणाम से गाजा का भविष्य जुड़ा हुआ है।

अंग प्रत्यारोपण से प्राप्त की जा सकती है अमरता, पुतिन और चिनफिंग की मीटिंग के बाद क्यों उठी ये बहस ?

मास्को/वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ने बीजिंग में एक सैन्य परेड के दौरान अमरता की प्राप्ति के लिए जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की, जिसने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है।

विशेष रूप से, पुतिन ने सुझाव दिया कि बार-बार अंग प्रत्यारोपण से व्यक्ति हमेशा जवान रह सकता है। आस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी के बायोएथिक्स के लेक्चरर जूलियन कोप्लिन ने इस संदर्भमें एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें इस दावे की सच्चाई का विश्लेषण किया गया है...

अंग कहां से आएंगे : पुतिन का यह सुझाव कि हम बार-बार अंग

प्रत्यारोपण के माध्यम से अमरता प्राप्त कर सकते हैं, निश्चित रूप से विवादास्पद है। एक स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि ये अंग आएंगे कहां से। प्रत्यारोपण योग्य अंग एक दुर्लभ चिकित्सा संसाधन है। किसी वृद्ध तानाशाह के जीवन को बनाए रखने के लिए इनका उपयोग करने से अन्य जरूरतमंद लोग जीवन रक्षक प्रत्यारोपण से वंचित हो जाएंगे।

क्या प्रयोगशाला में विकसित अंग बनेंगे विकल्प : यदि हम मान लें कि पुतिन शायद स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके प्रयोगशाला में विकसित अंगों की कल्पना कर रहे थे, तो यह दृष्टिकोण दूसरों को प्रत्यारोपण से वंचित नहीं करेगा। हालांकि, विज्ञानी मानव ऊतकों के कुछ पहलुओं के माडल बनाने वाले लघु आर्गेनाइड विकसित कर सकते हैं, लेकिन पूर्ण आकार के प्रत्यारोपित अंग बनाना वर्तमान क्षमताओं की पहुंच से बहुत दूर है। जटिल होता है प्रत्यारोपण यदि काल्पनिक रूप से हमारे पास असीमित प्रतिस्थापन अंगों तक पहुंच भी हो, तो भी उम्र बढ़ने के साथ हमारे शरीर का सामान्य लचीलापन कम हो जाता है। इससे बार-बार होने वाली प्रत्यारोपण सर्जरी से उबरना और भी कठिन हो जाएगा। बूढ़े होते दिमाग भी इसमें एक बड़ी बाधा पेश करते हैं। हम अपनी पहचान बदले बिना एक किडनी या लिवर बदल सकते हैं, लेकिन हम अपने दिमाग को नहीं बदल सकते। मस्तिष्क प्रत्यारोपण के बाद हमारे शरीर में जो भी रहेगा, वह हम नहीं होंगे। ज्यादा जीने के अन्य तरीके दीर्घायु के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। विज्ञानियों ने प्रयोगशाला में इस्तेमाल होने वाले जानवरों, जैसे बंदर, चूहे व मक्खियों का जीवनकाल दवाओं, आनुवंशिक परिवर्तनों, आहार परिवर्तनों और कोशिकीय रीप्रोग्रामिंग के जरिये बढ़ाया है। हालांकि, जानवरों पर किए गए अध्ययनों को इंसानों पर लागू करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

ट्रंप की मौजूदगी में झिझके जुकरबर्ग, बोले - माफ करिएगा, मैं तैयार नहीं था' - वीडियो वायरल

वाशिंगटन , एजेंसी। व्हाइट हाउस में गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप ने सिलिकॉन वैली के शीर्ष तकनीकी नेतृत्व को आमंत्रित कर एक शानदार डिनर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मार्क जुकरबर्ग , टिम कुक , सुंदर पिचाई , सत्या नडेला, सैम ऑल्टमैन, बिल गेट्स, और अन्य दिग्गज शामिल थे। 'भारत दो महीने में सॉरी बोलेगा', टैरिफ पर ट्रंप के मंत्री का बड़बोला बयान डिनर के दौरान जब ट्रंप ने जुकरबर्ग से निवेश राशि की पुष्टि चाही, तो जुकरबर्ग ने कहा- मुझे लगता है ज कम से कम 600?बिलियन ज 2028 तक। इसके बाद माइक खुलने पर जुकरबर्ग ने धीरे से कहा- माफ़ कीजिए, मैं तैयार नहीं था ज मुझे नहीं पता आपको कौन-सा नंबर सुनना था। इस पर ट्रंप हंस पड़े और बहुत शानदार है कि आप हमारे साथ हैं कहकर तारीफ की। जब एक रिपोर्टर ने ब्रिटेन में फ्री-स्पीच पर ज़ुकरबर्ग से सवाल किया, तो ट्रंप ने मज़ाक में कहा- यह आपके राजनीतिक करियर की शुरुआत है। ज़ुकरबर्ग ने फटकर जवाब दिया—नहीं, ये नहीं है। ट्रंप इस जवाब पर हंस पड़े और गृहिणी मेलानिया को भी यह बात दोहराई। सत्ता नडेला- प्रशासन की नीतियों ने अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर विश्वास बनाए रखने में मदद की, यह रेखांकित किया गया।

माल्या-नीरव जैसे भगोड़ों को भारत लाने की तैयारी तेज, ब्रिटिश टीम ने किया तिहाड़ जेल का दौरा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया। यह दौरा भारत द्वारा भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पण के प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल का मकसद था ब्रिटिश अदालतों को यह भरोसा दिलाना कि भारत में प्रत्यर्पित किए गए आरोपियों को मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जेल में रखा जाएगा।

जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड का निरीक्षण : जानकारी के मुताबिक, ष्टक्कस् टीम ने तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा वार्ड का दौरा किया और वहां मौजूद कैदियों से बातचीत भी की। भारतीय अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि अगर ज़रूरत पड़ी तो हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए जेल परिसर में विशेष एन्क्लेव बनाया जाएगा, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल मिल सके।

ब्रिटिश अदालतों की आपत्तियों के जवाब में यह पहल : यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब ब्रिटेन की अदालतें पहले भी भारत के प्रत्यर्पण अनुरोधों को यह कहते हुए खारिज कर चुकी हैं कि भारतीय जेलों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए भारत सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि प्रत्यर्पित व्यक्तियों से किसी भी प्रकार की अवैध पूछताछ नहीं होगी और उनकी सुरक्षा तथा मानवाधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

कई बड़े मामलों में अब भी अटका है प्रत्यर्पण : वर्तमान में भारत के कुल 178 प्रत्यर्पण अनुरोध विदेशों में लंबित हैं, जिनमें से लगभग 20 मामले ब्रिटेन में हैं। इनमें सबसे चर्चित मामले हैं-

अब ब्रिटेन पर ट्रंप का टैक्स अटैक- सैंकड़ों ब्रिटिश सामानों पर कसा शिकंजा, महंगाई का आएगा नया तूफान अब ब्रिटेन

पर ट्रंप का टैक्स अटैक- सैंकड़ों ब्रिटिश सामानों पर कसा शिकंजा, महंगाई का आएगा नया तूफान विजय माल्या- शराब कारोबारी, जिस पर ?9,000 करोड़ के बैंक कर्ज न चुकाने का आरोप है।

हीरा व्यापारी, जिस पर ?13,800 करोड़ की पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी का आरोप है। उसे मार्च 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था और उसका प्रत्यर्पण ब्रिटेन की अदालत से मंजूर हो चुका है, लेकिन वह अब भी हिरासत में है। इस साल जुलाई में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा था कि भारत ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलकर मजबूत कानूनी मामला तैयार कर रहा है ताकि भगोड़ों की वापसी में तेजी लाई जा सके। भारत का कहना है कि प्रत्यर्पण के बाद किसी भी आरोपी को तिहाड़ जेल या अन्य जेलों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उचित सुविधा और सुरक्षा दी जाएगी।

एक झटके में उजड़ गया पूरा गांव ! आतंकी हमले में 60 लोगों की मौत, दर्जनों घर खाक

इस्लामाबाद , एजेंसी। आतंकवादी संगठन बोको हराम के आतंकियों ने उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के एक गांव पर रात में हमला कर कम से कम 60 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला दारुल जमाल गांव में हुआ और वहां के निवासी मोहम्मद बाबागाना ने च्एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि इसमें कम से कम 60 लोग मारे गए। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा किया और पत्रकारों से पुष्टि की कि हमले में 60 से अधिक लोग मारे गए। जुलुम ने कहा, हमें लोगों के प्रति सहानुभूति है। उनसे अनुरोध है कि वे अपने घरों को न छोड़ें, क्योंकि हमने सुरक्षा में सुधार करने तथा भोजन और अन्य जीवन रक्षक वस्तुएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में मिल में ड्रम फटने से मौत का आंकड़ा 7 पर पहुँचा

गंभीर रूप से झुलसे दो और लोगों की मौत, दो दिन में चार की मौत

मृतकों के परिजनों को 15 लाख की आर्थिक मदद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ज़िले के पलसाणा तालुका के जोलवा गाँव स्थित "संतोष टेक्सटाइल मिल" में हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से झुलसे दो और लोगों की सूरत की एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। दो दिन में चार मौतों के साथ इस घटना में मृतकों की संख्या अब 7 हो गई है। मिल के मालिक ने मृतकों के परिवार को 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं अभी भी सूरत की एक निजी अस्पताल में दो मरीज जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत ज़िले के पलसाणा तालुका के जोलवा गाँव की संतोष टेक्सटाइल मिल में 1 सितंबर को अचानक केमिकल से भरा ड्रम फट गया, जिससे भीषण आग लग गई। इस हादसे में दो कामगारों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हुए थे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, 108 एंबुलेंस और कडोदरा व पलसाणा पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची थी। झुलसे 11 लोगों को सूरत के उधना इलाके स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

तीन दिन पहले 36 वर्षीय प्रियंकादेवी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं कल गंभीर रूप से झुलसे 35 वर्षीय जोगेंद्र मुनिलाल प्रजापति (निवासी: राधे कृष्णा सोसायटी, बमरौली रोड पांडेसरा, मूल निवासी: ज़ौनपुर, उत्तर प्रदेश) और 28 वर्षीय प्रीति नागेंद्र सिंह (निवासी: अम्बा कॉम्प्लेक्स, तातिथैया गाँव, कडोदरा) की मौत हो गई थी। 39 वर्षीय सुषमा गणेश मिश्रा और 24 वर्षीय मुन्ना विश्वनाथ दास की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह मृतकों का आंकड़ा 7 पर पहुँच गया है। दो दिन में चार मौतों से परिजनों में गहरा शोक छा गया है।

मिल प्रबंधन ने मृतकों के परिवार को 50 हज़ार रुपये नकद दिए हैं और 4 लाख रुपये का चेक देने की बात कही है। इसके अलावा 10 लाख रुपये और बीमा की राशि देने का आश्वासन भी दिया है। साथ ही मृतकों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाने की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि आग की घटना के बाद इंडस्ट्रियल सेफ्टी विभाग ने संतोष मिल को क्लोजर नोटिस जारी किया था और स्थल जांच भी की थी, जिसका रिपोर्ट अभी लंबित है। कल उधना स्थित निजी अस्पताल के बाहर मृतकों के परिजनों ने मुआवज़े की माँग को लेकर विरोध किया। इसमें मृतकों के परिवार की महिलाओं ने सड़क पर चेन बनाकर चक्का जाम कर दिया था। इससे स्थानीय सलाबतपुरा और पलसाणा पुलिस मौके पर पहुँची थी। अंततः शाम को मुआवज़े की माँग मान ली गई और मामला शांत हुआ। इसके बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए नई सिविल अस्पताल भेजा।

95%झुलसे और दो लोगों की मौत, महिलाओं ने चक्का जाम किया

पलसाणा तालुका के जोलवा गाँव की संतोष टेक्सटाइल मिल हादसे में 95' झुलसे दो और लोगों की सूरत की निजी अस्पताल में मौत हो गई। दो दिन पहले एक महिला की इलाज के दौरान मौत हुई थी, जिसके बाद महिलाओं ने सड़क पर चक्का जाम कर विरोध जताया था।

पीएम की माता पर अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सूरत में भाजपा का विरोध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता के प्रति कांग्रेस द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सूरत में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में सूरत भाजपा महिला मोर्चा और शहर इकाई हुए। उन्होंने हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लेकर नारेबाजी की और इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की।

अठवालाइंस में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में महिला और पुरुष कार्यकर्ता एक साथ धरने पर बैठे और विरोध दर्ज कराया। इस विरोध का मुख्य कारण बिहार में दी गई अपमानजनक टिप्पणी थी, जिसके लिए कार्यकर्ताओं ने मांग की कि राहुल गांधी माफी मांगें। पूरे प्रदर्शन के दौरान "राहुल गांधी माफी मांगो" और अन्य नारे लगाए गए। इस टिप्पणी से भाजपा कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश है। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में तनाव बढ़ा दिया है और भाजपा इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है, जिसका प्रमाण यह विरोध प्रदर्शन है। भाजपा पार्षद कैलाश सोलंकी ने कहा कि विकृत और विचलित मानसिकता वाली कांग्रेस ने, जो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता का अपमान कर गालियां दी हैं, उसके विरोध में हम यहां एकत्र हुए हैं। माता तो जगत-जननी कही जाती हैं। माता वह होती हैं जो जीवनदान देती हैं। दुश्मन की माता हो तब भी शायद दुश्मन किसी दूसरी माता के लिए ऐसे अपशब्दों का प्रयोग कभी न करता। लेकिन कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो राजनीति में अंधी हो गई है और नैतिक मूल्यों को भूल गई है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में मां का मूल्य कांग्रेस को पता ही नहीं। मुझे तो लगता है कि कांग्रेस शायद भारत की है ही नहीं, बल्कि विदेशी कांग्रेस है। क्योंकि भारत के तो दुश्मन भी कभी किसी की मां का अपमान नहीं करते। और ऐसा यह अपमान हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारतीय जनता पार्टी की सरकार विकास के कार्यों में इतनी व्यस्त है कि उसके पास इस तरह की राजनीति का समय ही नहीं है। हम तो शांत स्वभाव के हैं, शांति से विरोध दर्ज कराया है और इसी तरह का ज्ञापन कलेक्टर को भी देंगे।

राहुल गांधी के विवादित बयान के खिलाफ विरोध

नवसारी में भाजपा महिला मोर्चा का धरना प्रदर्शन, कलेक्टर को आवेदन पत्र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार में इंडिया गठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में नवसारी में भाजपा महिला मोर्चा ने विरोध प्रदर्शन किया।

नवसारी जिला भाजपा महिला मोर्चा ने जूनाथाणा सर्कल पर धरना आयोजित किया। इसके बाद महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। महिला मोर्चा की बहनों ने रैली के रूप में नवसारी कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचकर आवेदन पत्र सौंपा।

कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश भाजपा की मंत्री शीतलबेन सोनी, नवसारी जिला भाजपा अध्यक्ष भुराभाई शाह, जिला महिला मोर्चा की महामंत्री सुमित्राबेन पटेल और जिज्ञासाबेन पारिख सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की बहनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इंटरनेशनल साइबर गुलामी रैकेट का एक और एजेंट गिरफ्तार

वडोदरा के अकीब की गिरफ्तारी,मुख्य एजेंट के फोन में 30 वॉलेट ट्रांजेक्शन;51 पासपोर्ट फोटो मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने साइबर स्लेवरी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर अहम सफलता हासिल की है। इस रैकेट में बैंकॉक में ऊंची तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर गुजरात के युवाओं को म्यांमार ले जाया जाता था और वहां बंदूक की नोक पर साइबर फ्रॉड का काम करने के लिए मजबूर किया जाता था। इस मामले में सूरत साइबर पुलिस ने निपेंद्र चौधरी, प्रीत कमानी और आशीष राणा को गिरफ्तार किया है।

इसके अलावा, इस रैकेट के चौथे सब-एजेंट के रूप में वडोदरा के अकीब हुसैन का नाम सामने आया है, जो 21,000 कमीशन पर काम करता था। उसकी गिरफ्तारी कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी बिशाखा जैन ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि सबसे बड़े एजेंट निपेंद्र चौधरी के मोबाइल से 30 से ज्यादा फाइनेंस या ट्रस्ट वॉलेट के ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली है। इसके अलावा, उसके फोन से 51 पासपोर्ट की कॉपी भी मिली है, जो श्रीलंका, इथियोपिया और भारत के हैं। वडोदरा के अकीब ने एजेंट दानिश की मदद से दो युवकों को फंसाया था। उन्हें थाईलैंड में 70,000 की ऊंची तनख्वाह वाली नौकरी का लालच दिया गया, लेकिन इन युवकों को बैंकॉक की जगह म्यांमार भेजा गया। इसी तरह रांदेर के एक युवक को भी 20 जुलाई को बैंकॉक भेजा गया था।

एजेंटों ने नदी पार कराकर म्यांमार के जंगलों में धकेला

बैंकॉक एयरपोर्ट पहुंचने के बाद एजेंट ने उत्तर प्रदेश और हैदराबाद के चार युवकों के साथ उन्हें एक गाड़ी में बैठाया। वहां से उन्हें 400 किमी दूर म्यांमार की सीमा पर ले जाया गया। रास्ते में कई बार गाड़ियां बदली गईं और एजेंटों ने उन्हें नदी पार कराकर म्यांमार के घने जंगलों में धकेल दिया। जब युवकों ने सवाल पूछे तो उन्हें बंदूक दिखाकर डराया गया। इस दौरान हैदराबाद के एक युवक ने भागने की कोशिश की तो स्थानीय गुंडों ने गोलियां चलाईं। वह पकड़ा गया और दोबारा भागने की कोशिश में लापता हो गया।

काम से इंकार करने पर प्राइवेट जेल में बंद किया जाता था

युवकों को म्यांमार में के.के. पार्क स्थित सन एस्टेट में रखा गया। वहां उन्हें बंदूक की नोक पर साइबर फ्रॉड करने के लिए मजबूर किया जाता था। इसमें सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड और अन्य अवैध गतिविधियां शामिल थीं। जो युवक काम करने से इनकार करते, उन्हें प्राइवेट जेल जैसे कमरों में कैद कर टॉर्चर किया जाता था। उन्हें बंधक बनाकर करंट भी दिया जाता था।

सूरत और वडोदरा के दो युवकों को बचाया गया चार आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद सूरत पुलिस ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाया। इसमें सूरत और वडोदरा के दो युवकों को बचाने के लिए पुलिस और सरकारी एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए। इस ऑपरेशन के तहत दोनों युवकों को सुरक्षित म्यांमार से वापस लाने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली।

300 से ज्यादा भारतीय बंधक बनाए जाने की आशंका पुलिस के अनुसार, अभी भी 300 से ज्यादा भारतीय युवकों को इसी तरह बंधक बनाए जाने की संभावना है। इसके अलावा, इस रैकेट में 20 से 25 हजार युवकों के फंसे होने का भी अंदेशा है। सूरत पुलिस अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बड़े कांड को उजागर करने और अन्य पीड़ितों को बचाने के प्रयास कर रही है।

विदेश में नौकरी के लालच में फंसने वाले युवकों के लिए चेतावनी

पुलिस ने कहा कि यह घटना फिर एक बार उन युवाओं के लिए चेतावनी है जो विदेश में ऊंची तनख्वाह वाली नौकरी के लालच में फंस जाते हैं।

वासदा में गणेश विसर्जन के दौरान विवाद

कार पर गुलाल डालने को लेकर दो समूहों में हिंसक झड़प, दोनों पक्षों पर FIR दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वासदा में गणेश विसर्जन के दौरान हुए विवाद में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प हो गई। 5 सितंबर को दोपहर तीन बजे बारताड़ दूध डेयरी फड़िया से गणेशजी की प्रतिमा की विसर्जन शोभायात्रा निकली थी। शोभायात्रा के दौरान ऋषभभाई दवियरवाला अपनी कार तेज़ी से चला रहे थे। लोगों ने छोटे बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए धीरे चलाने को कहा, लेकिन उन्होंने बार-बार गाड़ी तेज़ चलाई।

इसी दौरान कुछ लोगों ने ऋषभ की कार पर गुलाल डाल दिया। ऋषभ ने वाइपर चलाया तो उमेदभाई कुंकणा ने उसे तोड़ दिया। मेहुलभाई पटेल ने कार के शीशे पर मुक्का मारकर नुकसान पहुंचाया। संजयभाई चौधरी ने कार को पत्थर से नुकसान पहुंचाया।

अगले दिन शाम साढ़े पाँच बजे धनसुखभाई गामित और अन्य 10 लोग तीन मोटरसाइकिलों पर बलिया मंदिर के पास पहुंचे। उन्होंने लकड़ी के डंडों और फावड़े के हत्थों से कनुभाई पटेल समेत चार लोगों पर हमला कर दिया। पुलिस ने धनसुखभाई गामित सहित 11 आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। साथ ही उमेदभाई कुंकणा सहित 6 व्यक्तियों पर भी शिकायत दर्ज हुई है। वांसदा पुलिस स्टेशन के PI एम.डी. गामित मामले की जांच कर रहे हैं।

"ऑपरेशन सिंदूर" की थीम पर होगा एपीटी जयंती महोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट(एपीटी) द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित महोत्सव की शुरुआत शनिवार, 13 सितंबर को होगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला में बताया की इस वर्ष जयंती महोत्सव च्ऑपरेशन सिंदूरज्ञ की थीम पर मनाया जाएगा। प्रत्येक कार्यक्रम में सैनिकों के शौर्य को दिखाया जाएगा। महोत्सव का समापन जयंती समारोह के साथ 22 सितंबर, सोमवार को होगा।

ट्रस्ट के सचिव बृजमोहन अग्रवाल ने बताया की जयंती महोत्सव में एपीटी खेल महोत्सव, एपीटी का खजाना, ट्रेजर हंट, हैरिटेज वॉक इन साड़ी, बॉलीवुड बिंगो हाउजी, गरबा एवं डांडिया नाईट आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के लिए आयोजन समिति बनाकर सभी तैयारियाँ पूरी कर ली है। ट्रस्ट द्वारा मीटिंग में सभी समितियों को जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसंत अग्रवाल, उपाध्यक्ष नंदकिशोर तोला, अशोक सिंघल, संयुक्त सचिव श्याम सुंदर सिहोटिया, संयुक्त कोषाध्यक्ष सीए नितेश अग्रवाल के अलावा ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं ट्रस्ट की महिला एवं युवा शाखा के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

मासूम बच्ची की 'मां' बनीं किन्नर

'कृष्णा मासी' ने मातृत्व का धर्म निभाकर समाज को सिखाया ममता का असली अर्थ किन्नर के घर हुई बच्ची की छठ्ठी पूजा,

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के अमरोली इलाके में रहने वाली कृष्णा मासी के नाम से जानी जाने वाली एक किन्नर दो मासूम बच्चियों की मां बनकर समाज के लिए एक नया उदाहरण पेश कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक नवजात बच्ची की छठ्ठी पूजन विधि का आयोजन किया, जिसने सबका दिल जीत लिया।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अपने तीसरे बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ थे। परिवार ने गर्भावस्था के सातवें महीने से ही तय कर लिया था कि अगर बच्ची होगी तो वे उसे स्वेच्छा से कृष्णा मासी को सौंप देंगे। बच्ची के जन्म के बाद उन्होंने खुशी और विश्वास के साथ इस मासूम को कृष्णा मासी की गोद में दे दिया, जहां उसे ममता और सुरक्षा का नया जीवन मिला।

यह कोई पहला मामला नहीं है। कृष्णा मासी पहले से ही एक और बच्ची की देखभाल कर रही हैं। वह बच्ची एक युवती की थी, जो शादी से पहले ही मां बन गई थी। कृष्णा मासी ने उस बच्ची को भी अपनी बेटी की तरह अपनाया और उसे मातृत्व का स्नेह दिया। आज वे दो बेटियों की मां बनकर उनके भविष्य को संवारने का संकल्प ले रही हैं। बच्ची की छठ्ठी पूजन के दौरान कृष्णा मासी के चेहरे पर अद्भुत खुशी और संतोष झलक रहा था। उन्होंने कहा, "यह एक पुण्य का काम है। बच्ची के माता-पिता ने मुझ पर भरोसा करके मुझे यह बेटी सौंपी है। आज जैसे हर मां-बाप अपने घर में छठ्ठी पूजन करते हैं, वैसे ही मैंने भी अपने घर अपनी नन्ही बेटी के लिए यह पूजा की।" उन्होंने आगे कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों बेटियों का भविष्य उज्ज्वल बने यह सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने यह भी बताया कि वे दत्तक की कानूनी प्रक्रिया शुरू करेंगी, ताकि यह संबंध कानूनी रूप से भी मजबूत हो सके।